साक्षात्कार के लिए रामबाण पुस्तक

प्रज्ञान

Rajasthan No.1

साक्षात्कार

दिग्दर्शिका

INTERVIEW MANUAL

राकेश कुमार जारेडा (RAS)

बी. एल. मीना (RAS)

साक्षात्कार

दिग्दर्शिका

INTERVIEW MANUAL

प्रज्ञान

पब्लिशिंग हाउस

71 ब्रजपुरी, 7 नं. चौराहा, एयरपोर्ट रोड, जगतपुरा, प्रताप नगर,

जयपुर (राज.) 302012

फोनः 9782030371, 9636581552

वेबसाइट

www.https://pragyanras.com

ई-मेल

jaipurpragyan@gmail.com

प्रथम संस्करण– जनवरी, 2023

मूल्यः **550/-**

प्रकाशक

प्रज्ञान पब्लिशिंग हाउस

71 ब्रजपुरी, 7 नं. चौराहा, एयरपोर्ट रोड, जगतपुरा, प्रताप नगर,

जयपुर (राज.) 302012

फोनः 9782030371, 9636581552

सर्वाधिकार सुरक्षित प्रकाशकाधीन

विधिक घोषणाएँ

- इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं। फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति–विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये जिम्मेदार नहीं है।
- हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।
- सभी विवादों का निपटारा जयपुर न्यायिक क्षेत्र में होगा।

कॉपीराइट : प्रज्ञान पब्लिशिंग हाउस

- इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रकाशन अथवा उपयोग, प्रतिलिपीकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानांतरण, किसी भी रूप में या किसी विधि से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो–प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी अन्य प्रकार से) प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

प्राक्कथन

साक्षात्कार हमेशा एक चुनौतीपूर्ण विषय रहा है जिसमें एक विशाल पाठ्यक्रम एवं जीवन के महत्वपूर्ण कालखण्ड से जुड़े कई मुद्दे एवं विभिन्न क्षेत्रों की व्याख्या विद्यार्थियों से अपेक्षित होती है। यह पुस्तक एक अभ्यर्थी, शिक्षक, शोद्यार्थी व प्रशासनिक कार्य के रूप में प्राप्त किये गये मेरे अनुभव का प्रतिफल है। क्योंकि साक्षात्कार का सीमाबद्ध लिखित पाठ्यक्रम नहीं होता है। इसलिए विद्यार्थियों में इसे लेकर तनाव व आंशकाएँ बनी रहती है कि इन्टरव्यू पैनल द्वारा क्या–क्या व कहाँ–कहाँ से सवाल पूछे जायेंगे। जिनके जवाब आयेंगे या नहीं। Interview में पूछे जाने वाले सवालों को लेकर विद्यार्थियों में बनी असमंजस की स्थिति को दूर करने के उद्देश्य से **<u>'साक्षात्कार'</u>** नामक पुस्तक 25 वर्ष के अनुभव के परिणामस्वरूप नैसर्गिक, सारगर्भित, व्यावहारिक दृष्टि से लिखी गई है। इस पुस्तक में Interview में पूछे जाने वाले संभावित सभी सवालों और उनके नजरिये को बारीकी से समझाया गया है। जो विद्यार्थी के साक्षात्कार में महत्वपूर्ण और उपयोगी है। क्योंकि वह इस पुस्तक को पढ़कर साक्षात्कार कक्ष में होने वाली गलतियों व कमियों से बचकर स्वयं को बेहतर ढंग से प्रस्तुत कर 75% से भी ज्यादा अंक हासिल करने में सक्षम बन सकता है।

अभिस्वीकृति

मेरे गुरुजन, परिवारजन, स्नेही मित्रों, विद्यार्थियों, सहयोगी स्टॉफ एवं अनेक व्यक्तियों के प्रति आभार एवं धन्यवाद प्रकट करने में मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है, जिन्होंने विभिन्न माध्यम से इस पुस्तक को पूर्ण करने में अपनी सहयोगी भूमिका निभाई।

मैं उन सभी पाठकों को भी विशेष धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने पुस्तक को पढ़ा और अपने मूल्यवान सुझावों तथा रचनात्मक आलोचनाओं से अपना योगदान दिया और मुझे इस प्रशिक्षण कोर्स को विकसित करने में अन्यतम सहायता मिली।

B.L. MEENA (RAS)

श्री कुंजीलालजी मीना
(IAS)

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु प्रकाशित अधिकतर पुस्तकें सामान्यतः प्रारम्भिक परीक्षा एवं मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम को लक्ष्य बनाकर ही लिखी गयी है, लेकिन साक्षात्कार जैसे महत्वपूर्ण एवं अंतिम पायदान पर पहुंचे अभ्यर्थी, उचित मार्गदर्शन हेतु इस प्रकार की पुस्तक की अनुपलब्धता को अत्यधिक महसूस करते रहे हैं। श्री बी. एल. मीना (RAS) द्वारा साक्षात्कार जैसे अनछुए एवं रोचक विषय पर लिखी एवं प्रकाशित की गई यह पुस्तक 'साक्षात्कार' उस रिक्त स्थान को भरने में एवं विद्यार्थियों को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस बेहतरीन प्रयास के लिए मेरी ओर से आपको अनंत शुभकामनाएं।

श्री बच्चूसिंहजी मीना
(IPS)

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि श्री बी. एल. मीना के मार्गदर्शन में साक्षात्कार देने वाले विद्यार्थियों की समस्याओं के निदान के लिए लिखी गई पुस्तक 'साक्षात्कार–दिग्दर्शिका' एक अभूतपूर्व प्रयास है। मुझे पूर्ण आशा है कि यह पुस्तक निश्चित रूप से अपने उद्देश्यों एवं निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में छात्रों के लिए सहयोगी साबित होगी। मैं, आपके द्वारा किए गए शाश्वत प्रयास एवं इसके सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

श्री विश्रामजी मीना
(IAS)

मुझे यह जानकर अत्यंत खुशी हुई है कि 'साक्षात्कार–दिग्दर्शिका' अभ्यर्थियों के लिए बहुउपयोगी सिद्ध होगी। क्योंकि इस पुस्तक में सफल सिविल सेवकों के अनुभवों का निचोड़ है। साक्षात्कार देने वाले अभ्यर्थियों को इसका पूर्णतः व्यावहारिक लाभ मिलेगा। इसके लिए मैं, श्री बी. एल. मीना (RAS) को हार्दिक धन्यवाद देता हूं। जिन्होंने अथक मेहनत से इस पुस्तक को लिपिबद्ध किया है।

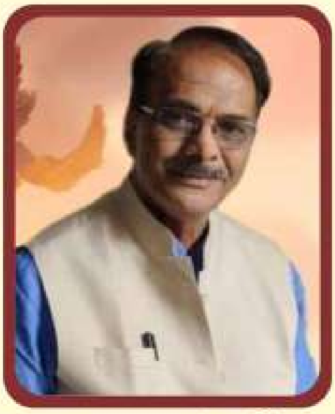

डॉ. हुकमचंद जैन

(इतिहासकार)

किसी भी पुस्तक का महत्त्व उसकी उपादेयता से होता है। यदि वह अपनी विषयवस्तु से किसी का भला नहीं करती तो विशुद्ध आत्मालाप है, लेकिन श्री बी.एल. मीणा द्वारा ''साक्षात्कार'' के संदर्भ में लिखित इस पुस्तक का महत्त्व, उसकी शोधपरकता से है, जो निश्चित रूप से साक्षात्कार देने वाले अभ्यर्थियों के लिए एक तथ्यपरक स्रोत का कार्य करती हैं। साथ ही यह पुस्तक शोध के साथ नवाचार एवं विश्लेषण के माध्यम से अभ्यर्थियों के लिए अधिक उपयोगी और सार्थक साबित होगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

प्रो एस.एस. भादू
(महान शिक्षाविद्)

मुझे यह जानकर अत्यंत खुशी हुई है कि 'साक्षात्कार–दिग्दर्शिका' अभ्यर्थियों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी। क्योंकि साक्षात्कार का कोई निश्चित पाठ्यक्रम न होने के कारण विद्यार्थी साक्षात्कार मण्डल द्वारा पूछे जाने वाले सवालों को लेकर असमंजस में रहते हैं। लेकिन इस पुस्तक की विषय–सूची में पूछे जाने वाले सभी संभावित सवालों और उनके जवाबों को पूर्णता के साथ में समाहित किया गया है। श्री बी. एल. मीना (RAS) जिन्होंने इस पुस्तक को पूर्ण मनोयोग के साथ लिखा है, इसके लिए मैं उनको धन्यवाद देता हूं।

संदेश...

बी.एल.मीना (RAS)
मानद निदेशक

प्रिय विद्यार्थियों!

महान् व्यक्ति रातों–रात ऊँचाईयों पर नहीं पहुँचते हैं, इस ऊँचाई को छूने के लिए लगातार सुनियोजित तरीके से कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। जीवन में जब भी आप निराश हो तो उन्हें याद कर लो जिन्होनें आपसे ज्यादा कष्ट सहा है, दुःख झेले हैं, असफल रहे हैं लेकिन घबराए नहीं, धैर्य एवं साहस के साथ कर्म करते रहे और फिर लक्ष्य हासिल किया।

हमारे जीवन में दो मूलभूत विकल्प होते हैं।

1. परिस्थितियाँ जैसी है वैसे ही स्वीकार करते हुए घुट–घुटकर जीवन जीते रहना।
2. परिस्थितियों से मुकाबला कर लक्ष्य हासिल करके महान जीवन जीना।

हमने दूसरे विकल्प को चुना है क्योंकि मनुष्य जीवन भगवान की सबसे बड़ी सौगात है। जीवन बहुत बेशकीमती है। इसलिए इस जीवन को छोटे उद्देश्यों के लिए जीना जीवन का अपमान है। हम अपनी शारीरिक, मानसिक, सामाजिक व आध्यात्मिक शक्तियों का लगभग 5 प्रतिशत ही उपयोग कर पाते हैं। हमारी अधिकांश शक्तियाँ सुप्त रह जाती है। यदि हम आन्तरिक क्षमताओं का पूरा उपयोग करें तो हम सामान्य पुरूष से महापुरूष बन जाते हैं। हमारी मानवीय चेतना में वैश्विक चेतना अवतरित होने लगती है। सांसारिक मानव भ्रमवश हम सफल IAS, RAS इंसानों को भगवान की तरह पूजने लगते हैं।

प्रत्येक विद्यार्थी को यथेष्ठ संकल्प लेना चाहिए कि मैं अपनी कर्म शक्ति से मानव से महामानव बन सकता हूँ। मेरी जिन्दगी का ध्येय प्रशासनिक सेवा है, मेरे जीवन का उद्देश्य लोक हित के कार्यो को बढ़–चढ़कर करूँ, जिसकी सीढ़ियाँ Pre Exam, Mains Exam & Interview से गुजरती है। मैं समस्त सीढ़ियों को पार करके लोक कल्याण में लगना चाहता हूँ। मेरा ध्येय ही मेरे माता–पिता का सम्मान है। मैं अपने माता–पिता व गुरू की गरिमा, गौरव व सम्मान को आहत नहीं होने दूंगा/दूंगी। मैं अपना सर्वस्व अर्पित करके इस पवित्र संकल्प को, पुण्य–पवित्र अभियान को पूरा करके राष्ट्रहित में कार्य करूंगा। मैं आज के बाद एक पल भी तुच्छ कार्यों में समय नष्ट नहीं करूंगा।

विषय-सूची : प्रथम

1.	साक्षात्कार क्या है।	1
2.	साक्षात्कार सुनहरा अवसर है।	3
3.	साक्षात्कार का अज्ञात भय।	4
4.	श्रेष्ठता पढ़ने से आती है।	6
5.	आइए! शुरू करते है Interview की तैयारी।	7
6.	सेवाओं का वरीयता क्रम।	8
7.	RPSC संबंधित जानकारी।	13
8.	साक्षात्कार में शरीर गठन की भूमिका।	15
9.	साक्षात्कार में प्रभावशाली व्यक्तित्व।	23
10.	अभ्यास से कैसे जीवन बदला जा सकता है।	25
11.	साक्षात्कार में पूरा दारोमदार उम्मीद्वार पर निर्भर है।	26
12.	अन्तिम चयन में साक्षात्कार के अंको का महत्व।	27
13.	साक्षात्कार दल उम्मीद्वार में क्या देखते है।	29
14.	साक्षात्कार में पूछे जाने वाले प्रश्नों का उद्देश्य क्या होता है।	30
15.	सवालों का जवाब देते समय क्या सावधानी रखनी है।	31
16.	साक्षात्कार के समय विशेष सावधानी क्या बरतें।	32
17.	इन्टरव्यू एक कला है जिसे विकसित किया जा सकता है।	33

19.	शुरूआत में लगातार तीन, चार प्रश्नों का जवाब नहीं आने पर क्या करें।	34
20.	क्या साक्षात्कार दल प्रत्याशियों में भेदभाव करता है।	34
21.	साक्षात्कार में वैचारिक दृढ़ता, मानसिक सजगता क्या है।	35
22.	मेम्बर्स के साथ मत–भिन्नता होने पर क्या करें।	35
23.	अटपटा सवाल पूछने पर क्या करना चाहिये।	35
24.	साक्षात्कार पैनल किसे पसंद करता है।	36
25.	सवाल सुनने व समझने में नहीं आए तो क्या करें।	36
26.	क्या Counter प्रश्न ज्यादा अंक दिलाते है।	37
27.	साक्षात्कार के समय मनोवैज्ञानिक विश्लेषण की जाँच कैसे होती है।	37
28.	सेवारत उम्मीदवार साक्षात्कार में क्या सावधानी बरते।	38
29.	न्यायालय के विचाराधीन मुद्दो पर पूछे जाने वाले सवालों का जवाब कैसे दे।	38
30.	साक्षात्कार में आपसे वो ही पूछा जाता है जो आप बताना चाहते है।	39
31.	खांसी, छींक, ऊबासी स्वाभाविक क्रियाएं स्वीकार नहीं है।	40
32.	साक्षात्कार को बुलन्दियों पर ले जाने वाले सवाल।	41
33.	किस प्रकार के सवालों पर अंक नहीं मिलते है।	42
34.	साक्षात्कार में अच्छा सम्प्रेषण।	43
35.	साक्षात्कार में रूचि (Hobby) का महत्वपूर्ण योगदान।	44
36.	साक्षात्कार में Sorry का महत्व।	46
37.	Sorry बोलते समय क्या सावधानी बरतें।	46

38.	कौनसे प्रश्नों पर Sorry नहीं बोल सकते।	47
39.	साक्षात्कार में आत्मविश्वास की भूमिका।	48
40.	साक्षात्कार में आत्मविश्वास क्यों डगमगा जाता है।	48
41.	आत्मविश्वास के लिए अभ्यर्थी को क्या करना चाहिए?	49
42.	साक्षात्कार भवन और आकस्मिक दबाव	50
43.	सकारात्मक नजरिया Interview Board को प्रभावित करता है।	51
44.	Interview Board उम्मीदवार के नकारात्मक नजरिये को पहचान जाता है।	52
45.	प्रतियोगियों में तनाव पैदा क्यों होता है।	53
46.	क्या तनाव दूर किया जा सकता है।	54
47.	स्मरण–शक्ति कैसे विकसित करें।	55
48.	साक्षात्कार तिथि और मेरे वो निर्णायक 48 घण्टें।	56
49.	एक अंक ने कैसे Topper बनाया।	60

विषय-सूची : द्वितीय

1.	साक्षात्कार की शुरूआत कैसे होती है।	65
2.	साक्षात्कार में अभिवादन करते समय सावधानी।	67
3.	कुर्सी पर बैठते समय विशेष सावधानी क्या रखें।	68
4.	चेयरमैन कहां से और कैसे सवालों की शुरूआत करते है।	68
5.	साक्षात्कार तिथि, जन्म तिथि, मूल स्थान, तहसील, जिले संबंधी सवाल।	72
6.	शैक्षणिक विवरण (बायोडेटा) विवरण संबंधी सवाल।	75
7.	साक्षात्कार में डिग्री कोर्स के विषयों से सवाल।	76
8.	साक्षात्कार में राजस्थान से पूछे जाने वाले सवाल।	78
9.	RAS Mains के विषयों में से पूछे जाने वाले सवाल।	86
10.	सेवारत उम्मीद्वार से Job संबंधी सवाल।	105
11.	साक्षात्कार में अन्तरराष्ट्रीय समसामयिकी मुद्दे संबंधी सवाल।	107
12.	साक्षात्कार में राष्ट्रीय घटनाओं संबंधी सवाल।	110
13.	साक्षात्कार में राजस्थान समसामयिकी संबंधी सवाल।	113
14.	साक्षात्कार में प्रशासनिक–कल्पनामूलक सवाल।	116
15.	साक्षात्कार के तीन महत्वपूर्ण सवाल।	119
16.	साक्षात्कार में Hobby संबंधी सवाल।	121
17.	साक्षात्कार पूर्ण होने पर वापस कैसे आना है।	124

साक्षात्कार है क्या ?

Interview शब्द की व्युत्पत्ति Interviewer से हुई जो फ्रेंच भाषा का शब्द है। जिसका शाब्दिक अर्थ होता है **"Glimpse"** । **"Glimpse"** को हिन्दी में 'झलक' कहा जाता है।

Face to Face Meeting में चयनकर्त्ता प्रतियोगी अभ्यर्थी में Inter (अंतः–करण में) करके उसके Views (विचारों) का मूल्यांकन (Interview, साक्षात्कार) करके चयन करते हैं।

चयनकर्त्ता वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से उम्मीदवार की उन समस्त जानकारियों को जानना चाहते है जो लिखित परीक्षा के माध्यम से नहीं जानी जा सकती है।

IAS
UPSC
RAS
RPSC
प्रज्ञान साक्षात्कार कक्ष

साक्षात्कार सुनहरा अवसर

मुख्य परीक्षा में सफलता के बाद साक्षात्कार का बुलावा मिलते ही अभ्यर्थी को यह महसूस करना चाहिए कि मेरे सुनहरे भविष्य की शुरूआत होने वाली है। शानदार अवसर ने दरवाजे पर दस्तक दी है। किसी भी प्रकार के अनावश्यक दबाव में आकर समय बर्बाद करने की बजाय पूरी तन्मयता, उत्साह व ऊर्जा से भर जाना चाहिये कि लक्ष्य हासिल होने ही वाला है।

Pre Exam में 1 अंक कम होने पर Mains Exam से वंचित और Mains Exam में 1 अंक कम होने पर Interview से वंचित और Interview में 1 अंक कम होने पर Selection से वंचित होना पड़ता है। यह दर्द जिन्दगी भर मन में अखरता है और हमेशा दूसरों को अपनी खराब किस्मत का बहाना सुनाना पड़ता है। सर्वोच्च Rank पाने के लिए साक्षात्कार अन्तिम सुनहरा अवसर है। जिसकी तैयारी सर्वश्रेष्ठ रणनीति अपनाकर करनी चाहिये।

साक्षात्कार एक अज्ञात भय

मुख्य परीक्षा में सफलता के पश्चात् Interview देने वाले प्रतियोगियों को दो भागों में विभाजित किया जाता है–

1. प्रथम ऐसे विद्यार्थी जो पहली बार Interview दे रहे हैं। इन्हें अज्ञात भय सताता हैं	2. दूसरे ऐसे विद्यार्थी जो पहले भी Interview दे चुके हैं। और अनेक पदों पर सेलेक्टेड हैं।

पहली बार Interview देने वाले विद्यार्थियों के मन में हमेशा Interview का दृश्य सामने आता रहता है और वे बेहद दबावग्रस्त हो जाते हैं और उनके मन में अनेक प्रश्न चलते रहते हैं। एक अज्ञात भय मन को विचलित करता रहता है। जैसे :–

1. Interview में कपड़े किस प्रकार के पहनने हैं। टाई लगानी है या नहीं लगानी है। कोट पहनना है या नहीं।
2. मुझे सलवार–सूट पहनना है। या साड़ी ठीक रहेगी। या फिर मैं पैंट–शर्ट में ठीक रहूंगी।
3. Board Members जिस कमरे में बैठकर Interview लेते हैं। वह कमरा कैसा होगा?
4. Interview कक्ष के अन्दर कैसे जाना है ? अभिवादन कैसे करना है? हिन्दी में बोलना है या अंग्रेजी में बोलना है?
5. बैठने की कुर्सी कैसी होती है। मुझे कुर्सी पर बैठते समय क्या–क्या ध्यान रखना है? बैठते समय धन्यवाद बोलना है या Thank You, Sir बोलना है। महिला बोर्ड अध्यक्ष होने पर धन्यवाद मैम या Thank You, Mam बोलना है।

6. सवालों के जवाब देते समय हाथ, पैर, आँख, मुँह आदि के हाव–भाव कैसे रखने हैं?

7. मेरा Interview किसके Board में होगा? Experts कौन–कौन होंगे? मेरे साथ कैसा व्यवहार करेंगे?

8. मुझसे क्या–क्या सवाल पूछे जाएँगे। Experts मनमर्जी से तो सवाल नहीं पूछ लेंगे। मेरे विषयों के अलावा दूसरे विषयों में से सवाल पूछ लिये तो क्या होगा ?

9. लगातार तीन–चार प्रश्नों के जवाब नहीं आये तो क्या करना है? क्या मुझे लगातार Sorry बोलते रहना है?

10. Current G.K. में कहाँ से सवाल पूछेंगे ? राजस्थान से/भारत से/विश्व से।

11. स्वयं के मन द्वारा बनाये गये काल्पनिक सवाल कि मुझसे यह भी पूछा जा सकता है ....

11. Interview कम्पलीट होने के बाद वापस बाहर कैसे आना है? धन्यवाद कैसे बोलना है?

12. मुझे कितने अंक मिलेगें। मेरा Selection होगा या नहीं।

प्रिय विद्यार्थियों, आपके मन के सभी सवालों को मेरे प्रशिक्षण कोर्स में बहुत बारीकी से समझाया गया है। मैंने UPSC/RPSC में अनेक पदों पर Interview दिये हैं। और सभी Interviews में बहुत अच्छे अंक प्राप्त करके सफलता प्राप्त की है।

अच्छा कोच वही बन सकता है जो अच्छा प्लेयर होता है।''

मैं पिछले 25 वर्षों से अब तक हजारों विद्यार्थियों को ट्रेनिंग दे चुका हूँ। 25 वर्षों की निरन्तर मेहनत, अनुभव, शोध के बाद एक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण कोर्स तैयार किया गया है। मेरे प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी हमेशा Interview में 75 % से अधिक अंक प्राप्त करने की योग्यता रखते हैं।

श्रेष्ठता पढ़ने से आती है

मुख्य परीक्षा परिणाम के बाद सफल अभ्यर्थियों को चाहिये कि वह अपना पूरा फोकस सिर्फ पढ़ने पर लगा दें (Read, Read & Only Read)। आत्मविश्वास किसी दूसरे के समझाने से नहीं आता, न ही मोटिवेशन विडियो देखने या सुनने से आता है। आत्मविश्वास सिर्फ और सिर्फ पढ़ने और निरंतर Practice करते रहने से आता है। **Interview Board** उम्मीदवार के आत्मविश्वास की ही परख करता है।

आइये! शुरू करते हैं Interview की तैयारी।

Pre & Mains Exam की तरह Interview में लिखित Syllabus नहीं होता है। परन्तु Interview के सवाल–जवाब प्रतियोगी के इर्द–गिर्द ही घूमते हैं। इसलिए Interview का भी एक निश्चित Syllabus मानकर लिखित में ही तैयारी करनी है। वो कैसे? देखिये। आपको Interview की तैयारी के लिए 8 रजिस्टर तैयार करने हैं। Interview में पूछे जाने वाले (according to interview syllabus) सम्भावित सभी सवालों को हमें लिखित में अभ्यास करना होता है। यदि हमने शानदार रणनीति के साथ तैयारी कर ली तो हमारा आत्मविश्वास बहुत ज्यादा बढ़ जाता है और Interview में 80% अंक प्राप्ति में आत्मविश्वास ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है।

Interview की तैयारी के लिए 8 रजिस्टर तैयार करने हैं।

1	2	3	4
सेवा वरीयता क्रम RPSC की जानकारी, फिटनेस, कपड़े संबंधी, Interview के सम्भावित सवाल	व्यक्तिगत, पारिवारिक गाँव, कस्बा, शहर, तहसील, जिला	शैक्षणिक रिकॉर्ड B.A.,B.Sc., B.Com., M.A., LLB M.Com., M.Sc., MBBS, B.Tech	राजस्थान, इतिहास, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामाजिक व धार्मिक जीवन, कला संस्कृति, राजव्यवस्था
5	**6**	**7**	**8**
Mains Exam के सभी प्रश्न पत्रों की सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री विषयवार	Job वाले प्रतियोगियों को अपने विभाग की सम्पूर्ण जानकारी	Current Affairs राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय समसामयिक मुद्दे, News Paper	प्रशासनिक सवाल मनोवैज्ञानिक सवाल Conceptual सवाल Factual सवाल Analytical सवाल Hobby सम्बन्धित सवाल

सेवाओं की वरीयता - पद और वेतनमान संबंधी जानकारी

जिस परीक्षा को RAS & RTS कहते है असल में इस एक परीक्षा में लगभग 35 विभागीय पदों पर नियुक्तियाँ आवंटित होती है। राज्य सेवा के पद (State Service) एवं अधीनस्थ सेवा के पद (Allied Services)। सभी विभागों की जानकारी, कार्य विभाजन, कार्य की प्रकृति, वेतनमान, उन्नति, खूबियाँ, सेवा–शर्तों आदि के बारे में उम्मीदवार को विस्तृत जानकारी होना जरूरी है।

राज्य सेवा के पद

पद	वेतनमान	कार्य
1. राजस्थान प्रशासनिक सेवा (Raj. Administrative Service)	L - 14	कानून व्यवस्था, राजस्व, न्याय व्यवस्था
2. राजस्थान पुलिस सेवा (Raj. Police Service)	L - 14	कानून व्यवस्था, सुरक्षा, अपराध नियंत्रण
3. राजस्थान लेखा सेवा (Raj. Accounts Service)	L - 14	वित्त का लेखांकन, अंकेक्षण, नियंत्रण, नियमन
4. राजस्थान राज्य बीमा सेवा (Raj.Insurance Service)	L - 14	सरकारी कर्मचारियों के बीमा, पेंशन आदि
5. राजस्थान महिला विकास सेवा (Raj. Women Development Service)	L - 14	महिलाओं का शारीरिक मानसिक विकास
6. राजस्थान ग्रामीण विकास सेवा (Raj. Rural Development Service)	L - 14	केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन
7. राजस्थान अल्पसंख्यक मामलात् सेवा (Raj. Minorty Affairs Service, Asst. Director)	L - 14	अल्पसंख्यक समुदायों का संरक्षण, विकास हेतु वित्त की व्यवस्था

पद	वेतनमान	कार्य
8. राजस्थान राज्य कृषि विपणन सेवा (Raj. State Agriculture Marketing Service (Marketing Officer)	L - 14	कृषि मण्डियों पर नियंत्रण, व्यापारिक गतिविधियों पर निगरानी
9. राजस्थान उद्योग सेवा (Raj.Industries Service)	L - 12	उत्पादित वस्तुओं की गुणवत्ता, निरीक्षण, लोन
10. राजस्थान पर्यटन सेवा (Raj. Tourism Service)		पर्यटन स्थलों की निगरानी, धार्मिक मेलों
11. राजस्थान वाणिज्यिक कर सेवा (Raj. Commercial Tax Service)	L - 12	कर संग्रहण, नियंत्रण
12. राजस्थान सहकारी सेवा (Raj. Co-operative Service)	L - 12	सोसायटीज, ऑडिट, खाद् बीज वितरण, चुनाव
13. राजस्थान कारागार सेवा (Raj. Jail Service)	L - 12	जेल सुरक्षा, बन्दियों का रख–रखाव, नियंत्रण
14. राजस्थान नियोजन सेवा (Raj. Employment Service)	L - 12	बेरोजगारी भत्ता, रोजगार मेला, रोजगार समाचार
15. खाद्य एवं नागरिक रसद सेवा (Raj. Food & Civil Supply Service)	L - 12	मिलावटखोरी रोकना, आपूर्ति, नियंत्रण, निरीक्षण
16. राजस्थान परिवहन सेवा (Raj. Transport Service)	L - 12	परिवहन के साधनों का नियंत्रण व नियमन

पद	वेतनमान	कार्य
17. राजस्थान देव स्थान सेवा (Raj. Devasthan Service)	L - 12	धार्मिक स्थलों, ट्रस्टों में वित्त एवं प्रशासनिक निगरानी
18. राजस्थान श्रम कल्याण सेवा (Raj. Labour Welfare Service)	L - 12	श्रमिक डायरी, अधिकारों को सुनिश्चित करना
19. राजस्थान आबकारी सेवा (Rajasthan Excise Service, (Preventive Force Branch)	L - 12	तस्करी व अवैध शराब पर नियंत्रण, लाईसेंस कार्य
20. राजस्थान आबकारी सेवा (Rajasthan Excise Service, General Branch)	L - 12	तस्करी व अवैध शराब पर नियंत्रण, लाईसेंस कार्य
21. राजस्थान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सेवा (जिला परिवीक्षा समाज कल्याण अधिकारी) (Raj. Social Justice & Empowerment Service, Samajik Suraksha Adhikari)	L - 12	एससी, एसटी, अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति, समाज कल्याण की योजनाएँ
22. राजस्थान अल्पसंख्यक मामलात् सेवा (Raj. Minorty Affairs Service, Programme Officer)	L - 12	अल्पसंख्यक वर्गों से जुड़े मुद्दों व समस्याओं को हल करना

अधीनस्थ सेवा के पद

पद	वेतनमान	कार्य
1. राजस्थान तहसीलदार सेवा (Raj. Tehsildar Service (Naib Tehsildar)	L - 11	राजस्व, कानून व्यवस्था, पंजीयन
2. राजस्थान उद्योग अधीनस्थ सेवा (Raj. Industries Subordinate Service)	L - 11	औद्योगिक इकाइयों पर नियंत्रण
3. राजस्थान महिला एवं बाल विकास अधीनस्थ सेवा Raj. Women & Child Dev. Subordinate Service)	L - 11	आंगनबाड़ियों में रसद सामग्री, बच्चों से जुड़ी योजनाओं का विकास
4. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अधीनस्थ सेवा (परिवीक्षा एवं कारागृह कल्याण अधिकारी) (Raj. Social Justice & Empowerment Service (Pariviksha & Karagrah Kalyan Adhikari)	L - 11	समाज कल्याण की योजनाएँ
5. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अधीनस्थ सेवा (सामाजिक सुरक्षा अधिकारी) (Raj. Social Justice & Empowerment Service, Samajik Suraksha Adhikari)	L - 11	छात्रवृत्तियों से जुड़े हुए मामलें
6. राजस्थान अल्पसंख्यक मामलात् अधीनस्थ सेवा (Raj. Minority Affairs Subordinate Service, District Minority Welfare Officer)	L - 11	अल्पसंख्यक वर्गों का विकास

पद	वेतनमान	कार्य
7. राजस्थान भूमि एवं भवन कर अधीनस्थ सेवा (Raj.Land & Building Tax Subordinate Service)	L - 11	भूमि विकास संबंधी योजनाएँ
8. राजस्थान श्रम कल्याण अधीनस्थ सेवा (Raj. Labour Welfare Subordinate Service)	L - 11	श्रमिक योजनाएँ लागू करना
9. राजस्थान वाणिज्यिक कर अधीनस्थ सेवा (Raj. Commercial Tax Subordinate Service)	L - 10	कर चोरी रोकना, राज्य वित्त को पोषित करना
10. राजस्थान देवस्थान अधीनस्थ सेवा (Raj. Subordinate Devasthan Service)	L - 10	धार्मिक मेलों का आयोजन, मन्दिर की देखभाल
11. राजस्थान नियोजन अधीनस्थ सेवा (Raj. Subordinate Service (Employment)	L - 10	रोजगार मेलों का आयोजन, कम्पनियों में कार्मिकों की सूची
12. राजस्थान खाद्य एवं नागरिक रसद अधीनस्थ सेवा (Raj. Food & Civil Supplies Subordinate Service)	L - 10	राशन की दुकानों का निरीक्षण व नियंत्रण
13. राजस्थान सहकारिता अधीनस्थ सेवा (Raj. Co-operative Subordinate Service)	L - 10	सोसायटीज की ऑडिट, खाद् बीज वितरण
14. राजस्थान आबकारी अधीनस्थ सेवा (Raj. Excise Subordinate Service)	L - 10	उत्पादों की गुणवत्ता, नियंत्रण व नियमन
15. कृषि विपणन (कनिष्ठ अधिकारी)	L - 10	कृषि उत्पादों का उचित मूल्य व सुरक्षा

RPSC संबंधित जानकारी

पहली बार Interview देने वाले विद्यार्थियों को हमेशा साक्षात्कार का काल्पनिक दृश्य दिखाई देता है। और हमेशा अज्ञात भय सताता है। भयमुक्त होने के लिए हमें निम्नलिखित तैयारी करनी होती है।

(I) सबसे पहले प्रत्येक प्रतियोगी को अजमेर शहर की जानकारी करनी चाहिए। RPSC कहाँ है और वहाँ कैसे पहुँचते हैं। RPSC Building की पूरी जानकारी होना आवश्यक है। जैसे:–

(ii) मुख्य दरवाजा, पार्किंग, कैंटीन, मेन Building के अंदर आने–जाने की जानकारी होने से बहुत सारा भय, घबराहट खत्म हो जाती है।

(iii) RPSC पुस्तकालय की जानकारी इसलिए होनी चाहिए कि हमें जल्दी पहुँचकर आराम से बैठकर अखबार आदि पढ़ना है।

(iv) बाथरूमों की जानकारी होनी चाहिये, क्योंकि साक्षात्कार के समय दवाब रहता है और बार–बार बाथरूम जाने की इच्छा होती है। लेकिन यह सबके साथ ही होता है। किसी एक के साथ नहीं।

(v) चेयरमैन, सचिव, बोर्ड मेम्बर्स के कमरे किस तरफ होते हैं और Interview से पहले प्रतियोगी के दस्तावेज किस–किस कमरें में कर्मचारियों द्वारा जाँचे जाते हैं। यदि साक्षात्कार देने वाले प्रतियोगी उक्त छोटी–छोटी जानकारियों को Interview Date से पहले ही जान लेते हैं तो साक्षात्कार तिथि के दिन मन में किसी भी प्रकार का अज्ञात भय एवं संकोच नहीं सताता है।

(vi) RPSC के आस–पास ठहरने के लिए होटल, गेस्ट हाउस की जानकारी जिससे Interview Date के दिन सहजता बनी रहें।

ऐसा क्यों जरूरी है ?

उदाहरण :–

1. पहली बार जब हम किसी अनजान शहर में किसी काम से जाते हैं, तो गंतव्य स्थान पर पहुँचने के लिए मन में भय व संकोच बना रहता है। दोबारा जाने पर ऐसा नहीं होता है।

2. उसी प्रकार Interview देने वाला विद्यार्थी अजमेर RPSC में पहली बार Interview देने जाता है तो अज्ञात भय व संकोच बना रहता है। इसलिए मेरे प्रशिक्षण प्राप्त सभी विद्यार्थियों को साक्षात्कार तिथि से पहले RPSC जाकर वहाँ का पूरा दृश्य समझना आवश्यक व अनिवार्य है। जिससे विद्यार्थी छोटी–छोटी बातों को लेकर बने हुए अज्ञात भय व संकोच से मुक्त हो जाते हैं। और आराम से तैयारी करके Interview Date पर RPSC जाते हैं तो किसी भी प्रकार का अज्ञात भय व संकोच नहीं सताता है।

RPSC महत्वपूर्ण तथ्य

स्थापना :–

भारतीय शासन अधिनियम, 1935 में UPSC, RPSC का प्रावधान रखा गया था।

RPSC की स्थापना 16 अगस्त, 1949 को जयपुर में की गई थी।

1949 से 1956 तक RPSC का मुख्यालय जयपुर रहा। 1956 में 'सत्यनारायण राव कमेटी की सिफारिश पर RPSC का मुख्यालय जयपुर से अजमेर कर दिया। जो आज तक अजमेर में ही है।

नियुक्तियाँ व कार्यकाल:-

संविधान के अनुच्छेद 316 के अनुसार राज्यपाल महोदय RPSC अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति करते है। इनका कार्यकाल नियुक्ति दिन से 6 वर्ष या फिर 62 वर्ष की आयु तक रहता है।

पद से हटाने की प्रक्रिया:-

कार्यकाल से पूर्व राष्ट्रपति ही हटा सकता है। लेकिन ऐसा बहुत कम ही होता है।

स्थिति:-

संभावित सवाल

RPSC एक संवैधानिक संस्था है जो अपने कार्यों के प्रति स्वतंत्र, स्वायत्त निकाय (Autonomous Body) है। यह किसी के दवाब में कार्य नहीं करती है।

साक्षात्कार में शरीर गठन की भूमिका

शारीरिक गठन:

अभ्यर्थी अपना रंग–रूप, कद, काठी नहीं बदल सकता लेकिन कड़ी मेहनत व मजबूत इरादे से शारीरिक गठन की सुंदरता बदल सकता है। Interview में अभ्यर्थी को Board के सामने Face to Face उपस्थित होकर सवालों का जवाब देना है। जिसके लिए शानदार Personality और Knowledge का होना आवश्यक है और इसके लिए सबसे पहले शारीरिक व मानसिक शक्ति आवश्यक है। जिसका तन अच्छा है, उसका मन भी अच्छा होता है। जब तन और मन दोनों ही अच्छे हैं तो तनाव, बेचैनी, घबराहट शरीर के पास फटकती भी नहीं है।

Interview कक्ष में प्रवेश करते समय बोर्ड मेंम्बर्स की पहली नजर उम्मीद्‌वार की पर्सनल्टी, कपड़े, हाव–भाव, चाल–ढ़ाल, आदि पर पड़ती है। यही से मेंम्बर्स का नजरिया सकारात्मक व नकारात्मक बन जाता है। अभ्यर्थी का रंग–रूप कैसा भी हो लेकिन फिटनेस सुधारकर अंकों में बढ़ोत्तरी संभव है।

योग-प्राणायाम:

हमारे शरीर पर कपड़े तभी अच्छे लगते हैं, जब शरीर की फिटनेस अच्छी होती है। और Interview के लिए Fitness महत्त्वपूर्ण है। तन फिट तो मन फिट।

Personality के साथ Knowledge का होना और Knowledge के साथ Personality का होना Interview में चार चाँद लगा देते हैं। Personality Test के लिए हमें सबसे पहले शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। जिसके लिए हमें योग, प्राणायाम, मेडीटेशन करना जरूरी ही नहीं अनिवार्य है।

Interview की तैयारी के समय प्रतिदिन सुबह कम से कम 2 घंटे तक आराम से योग, प्राणायाम, मेडीटेशन करें। जिससे हमारे शरीर की फिटनेस शानदार बन जाए। आवाज में प्रेमरस, चेहरे का तेज, आँखों की ताजगी, होठों की लालिमा, चलने का अंदाज निराला हो जाए।

योग, प्राणायाम, मेडिटेशन के लिए Pragyan RAS Academy में Separate Meditation Hall की व्यवस्था है।

योग–प्राणायाम क्यो ?

शारीरिक शक्ति के साथ मानसिक शक्ति इतनी प्रबल हो जाए कि जीवन का नज़रिया सकारात्मक बन जाए, क्यों? क्योंकि इसी पर प्रथम सवाल बन सकता है। प्रत्याशी साक्षात्कार कक्ष में जैसे ही प्रवेश करता है और यदि वह शारीरिक रूप से बहुत अच्छा फिट नजर आता है तो पूरा बोर्ड प्रभावित हो जाता है। बोर्ड मेम्बर ऐसे प्रत्याशी के प्रति शुरू में ही सकारात्मक दृष्टिकोण बना लेता है और चेयरपर्सन अनायास पूछ ही लेता है –

चेयरमैन द्वारा प्रथम संभावित सवाल — **आप बड़े फिट लग रहे हो, इसके लिए क्या-क्या करते हो?**

योग, प्राणायाम, मेडिटेशन पर अनेक अभ्यर्थियों से सवाल होते रहे है और आपसे भी सवाल हो सकते हैं। इस प्रकार के शुरुआती सवाल हमारे लिए अंक बढ़ोत्तरी में बेहद लाभदायक है। अंको का ही खेल है इसलिए अंको की बढ़ोत्तरी हेतु हमें पूरी तैयारी करके जाना चाहिये।

कपड़े/ड्रेस

Interview कक्ष में जाने से पहले उम्मीद्वारों के दस्तावेजों की जाँच की जाती है। जहां लगभग 8 प्रतियोगी एक साथ एक कमरे में पहुँचते है और एक दूसरे को देखते है, यदि हमारी ड्रेस सबसे अच्छी है तो हमारा पहला आत्मविश्वास Documents Check कराते समय बन जाता है। हम मन ही मन खुश होते है। यह खुशी, आत्मविश्वास Interview कक्ष में जाने से पहले बहुत लाभ पहुँचाती है।

कपड़े/ड्रेस:

कपड़े ऐसे हो जो स्वयं विद्यार्थी को Confidence महसूस कराएं। भीड़ में से अलग दिखे और साक्षात्कार कक्ष में अन्दर प्रवेश करें तो Board Members देखते ही प्रभावित हो जाए। कपड़े विद्यार्थी का दर्पण है जो बिना बोले विचारों की गम्भीरता और सौन्दर्यबोध दर्शाते हैं। फिट शरीर पर फिट कपड़े अच्छे लगते हैं।

अभ्यर्थी को कम से कम दो–तीन ड्रेस सिलवानी है। जिससे मन में कोई असमंजस ना रहे। जब हम दोस्तों के साथ Mock Interview की तैयारी करते हैं उस समय भी अभ्यर्थी की ड्रेस किसी से भी कम नहीं हो।

किसी दूसरे विद्यार्थी की ड्रेस हमसे अच्छी है तो हमारा आत्मविश्वास कमजोर हो जाता है। इसलिए आत्मविश्वास हमेशा मजबूत बना रहे। इसलिए दो–तीन अलग–अलग Colour में ड्रेस सिलवानी चाहिए।

चेयरमैन द्वारा संभावित सवाल

ड्रेस पर भी सवाल बन सकता है, कैसे?

1. आप बहुत सुन्दर लग रहे हैं। आपके कपड़े बहुत अच्छे हैं।
2. आप बहुत सुन्दर लग रही हो। साड़ी बहुत अच्छी पहनी है।
3. बड़े खुश नजर आ रहे हो, क्या खास बात है?
4. आप बड़ी खुश नजर आ रही हो, क्या खास बात है?

साक्षात्कार कक्ष में प्रवेश करते समय यदि प्रतियोगी तनाव में, हताशा में ढीला–ढाला, टूटा–सा, नैराश्य चेहरा है तो चेयरमैन कभी–कभी सामान्य लहजे में ही (व्यंग्यात्मक नहीं) इस प्रकार से पूछ लेते है, जैसे–

चेयरमैन द्वारा संभावित सवाल

क्या घबराहट हो रही है? तनाव में लग रहे हो

इस प्रकार के सवाल–जवाब Interview में होते रहते हैं। इसलिए हमेशा शारीरिक फिटनेस, आँखों की चमक, चेहरे का तेज, प्रसन्नता, आत्मविश्वास, मुस्कुराहट Interview कक्ष में प्रवेश करते समय बनी रहनी चाहिए। अभ्यर्थी का प्रथम इम्प्रेशन सम्पूर्ण बोर्ड को प्रभावित करता है तथा अभ्यर्थी के प्रथम इम्प्रेशन में ही बोर्ड ज्यादा अंक देने का मन बना लेता है।

साक्षात्कार में अंको की बढ़त के लिए जो कार्य आसानी से संभव है उसे विजेता के भाव से कर लेना चाहिये।

Male
(पुरूष)

1.	**पेन्ट**	:	
	कलर	:	हल्का ब्लैक या हल्का ब्ल्यू सबसे बढ़िया लगता है।
	मोहरी	:	14 या 15 से ज्यादा नहीं हो। बहुत ज्यादा टाईट व बहुत ढीला भी ना हो।
	लम्बाई	:	इतनी हो कि बीच में से सिलवट ना दिखे। पेन्ट की जेब में पर्स ना हो। बहुत ज्यादा भारी रूमाल भी ना हो।
2.	**शर्ट**	:	हल्की सफेद या फिर आसमानी कलर की। छोटे–छोटे चेक्स में, लाइन में यदि हो तो भी ठीक है। सिलाई सबसे महत्वपूर्ण है। जैसे–शर्ट की कॉलर ठीक हो अर्थात् उठी हुई हो, चिपकी हुई नहीं हो। शर्ट में बटन की संख्या 7 होनी चाहिए। कम बटन होने से गैप ज्यादा होता है तो बैठते समय पेट पर बनियान दिख जाती है। ऊपर वाला बटन कॉलर से डेढ़ इंच पर होना चाहिए जिससे छाती के बाल ना दिखे। हाथ की कलाई में ढिलाई ना हो जिससे सलवटे नहीं दिखाई दे। शर्ट बहुत ज्यादा ढीली व बहुत ज्यादा टाइट ना हो। शर्ट की जेब बड़ी ना हो। Interview देते समय शर्ट की जेब में पेन होना चाहिये।
3.	**बेल्ट**	:	ब्लैक अच्छी क्वालिटी (Quality) का बेल्ट जिसका बकल छोटा हो। बड़ा ना हो। ढीला–ढाला ना हो। बेल्ट में ज्यादा छेद नहीं हो।
4.	**जूते**	:	ब्लैक कलर में लिबर्टी या बाटा के जूते सुंदर लगते हैं। जिसमें पीछे से एड़ी मोटी, उठी हुई हो, आवाज करने वाले नहीं हो।
5.	**मोजे**	:	जूते के कलर से मैच करते हुए होने चाहिए, जो छोटे न हो।

6.	**टाई**	:	पहनते हैं तो ठीक अन्यथा किसी की होड़ ना करें – कोई फर्क नहीं पड़ता है।
7.	**कोट/सूट**	:	मौसम के अनुसार निर्णय लेना है। सर्दी है तो पहनना चाहिए।
8.	**सफारी**	:	आप पहनते हैं तो ठीक है। सफारी में व्यक्ति सुन्दर लगता है।
9.	**चश्मा**	:	चश्मा अच्छे वाले हो जो चेहरे की सुन्दरता को बढ़ाए।
10.	**बाल**	:	बाल व्यक्तित्व की सुन्दरता के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। ना ज्यादा छोटे हो, ना ज्यादा बड़े हो।

कपड़े ऐसे होने चाहिए कि देखने वाले की नजर ना हटे। साक्षात्कार में मौसम के अनुसार कपड़ो का निर्णय उचित रहता है। कपड़ों से हमारे व्यक्तित्व की परिपक्वता स्वयं झलकती है।

Female
(महिला)

1.	**साड़ी**	:	साड़ी Interview के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है। विशेषकर लाईट कलर और प्लेन में हो तो ठीक है। यदि पहले कभी साड़ी नहीं पहनी है तो पहली बार पहनने पर असहजता रहती है। इसलिए साड़ी पहनने का अभ्यास जरूरी है।
2.	**ब्लाउज**	:	ब्लाउज की बाहें कोहनी तक हो। स्लीवलेस ब्लाउज ना पहने। ब्लाउज कॉलरयुक्त हो तो ज्यादा ठीक है। ब्लाउज की लम्बाई नाभि तक होनी चाहिए।
3.	**सलवार सूट**	:	जो महिलायें साड़ी नहीं पहन सकती हैं। सलवार सूट ठीक है। बस सिलाई बहुत अच्छी होनी चाहिए। ना तो ज्यादा टाईट हो और ना ही ज्यादा ढीला हो। कुर्ता कॉलरयुक्त व बाँहे हाथ की लम्बाई के 3/4 हो तो ठीक है। पायजामा पटियाला हो लेकिन बहुत ज्यादा घेरेदार नहीं हो।
4.	**सैंण्डल**	:	सेण्डल की एड़ी (हील) बहुत ज्यादा भारी–भरकम व ऊँची नहीं हो और चलते समय आवाज नहीं होनी चाहिए।
5.	**कलर**	:	कपड़ों का कलर कॉम्बिनेशन मैच करता हुआ होना चाहिए। जो आपको अच्छा लगे। जरूरी नहीं है वो कलर दूसरों को भी अच्छा लगे। प्लेन कलर सर्वाधिक उचित रहता है।

6.	**आभूषण**	:	ज्यादा नहीं हो, कानों में कुंडल छोटे हो। बिंदिया छोटी हो, गले की माला भी पतली हो। मंगलसूत्र भारी–भरकम ना हो। हाथों की अंगुलियों में रिंग डिजाइन वाली ना हो। हाथों में कंगन पतले व हल्के होने चाहिए।
7.	**काजल**	:	कम मात्रा में। नेलपॉलिश भी बहुत ही हल्के रंग में हो।
8.	**परफ्यूम**	:	परफ्यूम नहीं लगाये तो ठीक है। लाभदायक नहीं रहता।
9.	**सिन्दूर**	:	शादीशुदा है तो बहुत कम मात्रा में सिन्दूर भरें
10.	**लिपिस्टिक**	:	बहुत हल्के कलर में होना चाहिये।
11.	**घड़ी**	:	घड़ी छोटी व अच्छे फीता वाली हो। घड़ी में अचानक सेल खत्म हो जाते हैं। जिसका हमें पता नहीं रहता। अचानक बन्द घड़ी पर Board Member की नजर पड़ गई तो ठीक नहीं रहता है। इसलिए सेल चेक कर लेने चाहिए। बीच–बीच में कभी घड़ी की तरफ ना देखें। कभी–कभार घड़ी को घुमाते रहते है ऐसा ना करें।
12.	**बाल**	:	बालों का योगदान हमारी सुन्दरता के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए एक–दो दिन पूर्व बालों में Spa कर लेना ठीक रहता है।

PRAGYAN INTERVIEW CHAMBER

साक्षात्कार में प्रभावशाली व्यक्तित्व का होना जरूरी है। क्यों ?

उम्मीद्वार कितना ही बौद्धिक व कुशाग्र बुद्धि का क्यों ना हो। साक्षात्कार दल उम्मीद्वार के आन्तरिक व बाहरी व्यक्तित्व के स्वरूप का परिचय जानना चाहता है। साक्षात्कार कक्ष में प्रवेश करते समय सर्वप्रथम अभ्यर्थी के बाहरी रूप का परिचय होता है। और सवालों के जवाब देते समय आंतरिक व्यक्तित्व का परिचय होता है। प्रभावशाली व्यक्तित्व में दोनों ही रूपों का होना जरूरी है।

प्रभावशाली व्यक्तित्व

बाहरी व्यक्तित्व

1. शारीरिक गठन
2. चाल–ढ़ाल
3. भाव भंगिमाएं
4. शारीरिक वेशभूषा
5. आँखों की चमक
6. चेहरे का तेज
7. अभिवादन शैली
8. शैक्षणिक रिकार्ड
9. तकनीकी योग्यता
10. लक्ष्य के प्रति उत्सुकता

आन्तरिक व्यक्तित्व

1. सम्प्रेषण कौशल
2. व्यवहारिकता
3. आत्मविश्वास
4. तर्कशीलता
5. नेतृत्व क्षमता
6. सकारात्मक नजरिया
7. कुशल प्रबंधन
8. वाक्पटुता/प्रस्तुतीकरण
9. लचीलापन/पारदर्शिता
10. बहुआयामी व्यक्तित्व

साक्षात्कार में हार्ड व सॉफ्ट दोनों स्किल्स ही महत्वपूर्ण है। लेकिन साक्षात्कार मण्डल सॉफ्ट स्किल्स की परख बारीकी से करते हैं। जैसे – सोने की खुदाई करते समय मिट्टी के हर कण का महत्व है।

Mock Interview

जिस प्रकार एक खिलाड़ी सत्त अभ्यास करके अपने खेल में सुधार कर सकता है। कलाकार रंगमंच पर सत्त अभ्यास करके अपनी कला को निखार सकता है। उसी प्रकार एक उम्मीदवार Mock Interview का अभ्यास करके साक्षात्कार दल के सामने अपनी सर्वश्रेष्ठ परफार्मेंस (प्रदर्शन) से अच्छे अंक प्राप्त कर सकता है। कैसे ?

1. छद्म साक्षात्कार से गलतियों को सुधारने का मौका मिलता है।
2. झिझक दूर होती है, कमियाँ सुधारकर व्यावहारिक जानकारी मिलती है।
3. सवालों की गहराई, प्रकृति, बोर्ड का रवैया आदि की जानकारी मिलती है।
4. पूछे जाने वाले सवालों का उद्देश्य क्या होता है, जानकारी समझ में आती है।
5. साक्षात्कार में क्या सही है क्या नहीं की जानकारी मिलती है।
6. आत्मविश्वास का स्तर बढ़ता है।
7. नजरिया सकारात्मक होकर –

आगमन में	Appearance	सुधार होता है
दृष्टि सम्पर्क में	Eye Contact	सुधार होता है
संवाद आवृत्ति मे	Voice pitch	सुधार होता है
देहभाषा में	Body Language	सुधार होता है
विषयज्ञान में	Subjective Knowledge	वृद्धि होती है
सामान्य ज्ञान में	General knowledge	वृद्धि होती है
समसामयिक ज्ञान में	Current Affairs Knowledge	वृद्धि होती है
सम्प्रेषण क्षमता का	Communication Skill	विकास होता है

8. छद्म साक्षात्कार के परिणामस्वरूप दृष्टि सम्पर्क, संवाद आवृत्ति, सम्प्रेषण शैली, देहभाषा आदि में सुधार का अवसर मिलता है। और बोर्ड मेम्बर्स इन्हीं विषयों की महारथ को परखकर अंक देते है।

अभ्यास से जीवन बदल सकता है तो बदल डालिएँ
(Practice Makes A Man Perfact)

विद्यार्थी जीवन में अभ्यास ही एक मात्र ऐसा विषय है जिसके द्वारा एक प्रत्याशी दूसरे प्रत्याशी पर आसानी से विजय प्राप्त कर लेता है।

अभ्यास द्वारा	फिटनेस को सुधारा जा सकता है
अभ्यास द्वारा	ज्ञान का अन्तर बढ़ाया जा सकता है
अभ्यास द्वारा	व्यक्तित्व में अन्तर आता है
अभ्यास द्वारा	वाणी में अन्तर दिखाता है
अभ्यास द्वारा	व्यवहार में अन्तर आ जाता है
अभ्यास द्वारा	शिष्टता में अन्तर स्पष्ट हो जाता है
अभ्यास द्वारा	धैर्य–संयम का अन्तर झलकता है
अभ्यास द्वारा	उत्साह, उमंग, जोश का अन्तर
अभ्यास द्वारा	श्रोता–वक्ता का अन्तर स्पष्ट हो जाता है
अभ्यास द्वारा	स्मृति तेज का अन्तर साफ–साफ दिखता है
अभ्यास द्वारा	आत्मविश्वास में अन्तर आता है
अभ्यास द्वारा	अभिव्यक्ति कौशल सुधारा जा सकता है
अभ्यास द्वारा	नजरिया सकारात्मक बन जाता है
अभ्यास द्वारा	नकारात्मकता त्यागी जा सकती है
अभ्यास द्वारा	परिणाम में अन्तर आता है
अभ्यास द्वारा	टॉप रैंक प्राप्त की जा सकती है
अभ्यास द्वारा	साक्षात्कार में 75 % प्राप्त किये जाते है

जो आदत हमारी उन्नति में बाधक है उन्हें बदल डालिए।

साक्षात्कार का माहौल उम्मीदवार पर निर्भर है

साक्षात्कार एक सहज और सामान्य प्रक्रिया है जिसमें उम्मीदवार साक्षात्कार मण्डल के सम्मुख अपनी छुपी हुई योग्यता को प्रदर्शित करके सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त कर सकता है।

साक्षात्कार मण्डल का मकसद होता है सही प्रतिभा का चयन करना। इसलिए इसमें सारा दारोमदार उम्मीदवार पर रहता है कि वह साक्षात्कार मण्डल के सामने खुद को कैसे प्रस्तुत करे। साक्षात्कार में उम्मीदवार को अपनी प्रतिभा व श्रेष्ठता को प्रदर्शित करने का पूरा मौका मिलता है।

'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले,
खुदा खुद बंदे से पूछे बता तेरी रजा क्या है।'

1. उम्मीदवार अपनी योग्यता, ज्ञान, व्यक्तित्व से साक्षात्कार मण्डल को इतना विश्वास दिला सकता है कि मैं IAS, RAS पद के लिए सबसे उपयोगी उम्मीदवार हूँ और साक्षात्कार मण्डल को लगे कि यह अभ्यर्थी सर्वगुण सम्पन्न है किसी भी स्तर पर अंक काटने की गुंजाइश नहीं है। श्रेष्ठ अंक प्राप्ति का हकदार है।
2. उम्मीदवार साक्षात्कार के समय अपनी प्रतिभा से माहौल को रोचक व खुशनुमा बना सकता है।
3. बोर्ड ज्यादा से ज्यादा अंक देने के लिए बैठा है। प्रत्याशी को अवसर भुनाना है। आपसी संवाद को रूचिकर बनाने पर ध्यान दे।
4. एक प्रत्याशी के बोलने का लहजा साथ ही समझाने का तरीका दूसरे प्रत्याशी से अलग करता है। और साक्षात्कार मण्डल यही जाँच करके अंक देता है।

"होता वही है, जो मंजूरे खुद को होता है।"

अन्तिम चयन में साक्षात्कार के अंक महत्वपूर्ण क्यों ?

बहुत सारे विद्यार्थी Mains Exam में अपनी कुशाग्र बुद्धि के बल पर अच्छे अंक प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन साक्षात्कार में पिछड़ जाते हैं। यहाँ अंकों का अंतर बहुत विभेदनकारी देखने को मिलता है।

IAS Interview 275 अंकों का होता है। साक्षात्कार देने वाले उम्मीद्वार 275 में से 45 से 225 अंक तक प्राप्त करते है। Interview के अंको का यह अंतर अंतिम चयन और अंतिम रैंक को पूरी तरह प्रभावित कर देता हैं। जानिए सारणी द्वारा–

S. N	Name	IAS Mains 1750	Interview 275	Total
1.	अमन मित्तल	679	201	880
2.	अचिन गर्ग	680	204	884
3.	शुभंकर महापात्र	686	206	892
4.	शिल्पी	702	206	908
5.	मोहित हाड़ा	719	206	925
6.	विजय कुमार	766	112	879
7.	विक्रमादित्य	710	118	828
8.	शैलेन्द्र	705	132	837
9.	शैफाली जारवाल	720	132	852
10.	प्रीति गहलोत	725	149	875

उदाहरण : Mains Exam में अमन मित्तल के 679 अंक है। वहीं विजय कुमार के 766 अंक है। साक्षात्कार में अमन मित्तल के 201 अंक है। वहीं विजय कुमार के 112 अंक है। यदि विजय कुमार के अमन की तरह इंटरव्यू में 201 अंक होते थे परिणाम अलग होता।

RAS Interview 100 अंकों का होता है। साक्षात्कार देने वाले अभ्यर्थी 100 में से 25 से 82 अंक तक प्राप्त करते हैं। Interview के अंकों का यह अंतर अंतिम चयन सूची में बड़ा अंतर पैदा करता है। जानिए सारणी द्वारा–

S. N	Name	RAS Mains	Interview	Total
1.	शिवराज	371	79	450
2.	सुमन कुमारी	398	47	445
3.	मनीषा	401	43	444
4.	मधुबाला	371	54	425
5.	हरी सिंह	344	79	423
6.	किरन	370	47	417
7.	रमेश	369	55	424
8.	रेखा	365	50	415
9.	राकेश कुमार	364	52	416
10.	विशेष	358	53	411

उदाहरण : Mains Exam में शिवराज के 371 अंक है। मनीषा के 401 अंक है लेकिन साक्षात्कार में शिवराज के 79 अंक है वही मनीषा के 43 अंक है। यदि मनीषा के साक्षात्कार में 79 अंक होते तो मनीषा की Rank बहुत ऊपर होती।

साक्षात्कार दल उम्मीदवार में क्या देखते हैं ?

1. साक्षात्कार मण्डल इस बात का आंकलन करता है कि उम्मीदवार जिस पद के लिए साक्षात्कार दे रहा है उसके लिए कितना दक्ष, कुशल व योग्य है?

2. साक्षात्कार मण्डल उम्मीदवार में व्यक्तित्व परीक्षण के अलावा ज्ञान की तार्किकता, मानसिक सतर्कता, ईमानदारी व व्यावहारिक ज्ञान भी देखते हैं।

3. साक्षात्कार मण्डल उम्मीदवार में प्रशासनिक अधिकारी के वे सभी गुण जैसे दृढ़ता, संकल्प, धैर्य व संयमी, कार्य के प्रति निष्ठाभाव, विनम्रता–सौम्यता, शालीनता, दक्षता, कुशलता, संवेदनशीलता, सहजता, सजगता, व्यवहार कुशलता, प्रश्नकर्त्ताओं के साथ जुड़ाव, सामान्य समझ व लचीलापन है अथवा नहीं आदि देखते हैं।

4. साक्षात्कार मण्डल उम्मीदवार में उत्साह, जोश, जज्बा, व्यक्तिगत जीवन में रूचि (Hobby) की विविधता, गहराई तथा चीजों को समझने की ललक व भविष्य के प्रति दूर–दृष्टि कितनी है? आदि की गहराई से परख करते हैं।

5. साक्षात्कार मण्डल उम्मीदवार में नेतृत्व व निर्णय लेने की क्षमता, कुशाग्रता व तर्कशीलता एवं मानसिक दृढ़ता आदि गुणों की परख करता है। साथ ही साथ यह भी देखता है कि विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने की काबिलियत है या नहीं।

6. वैचारिक मतभेद होने पर आपसी सामंजस्य बनाने की योग्यता है या नहीं? क्योंकि आजकल बहुत सारे कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, SDM आदि अधिकारी भावावेश में आकर जनसमूह में अपनी वाणी पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं और अनेक बार अपनी शक्ति का कमजोर लोगों पर दुरूपयोग करते रहते हैं एवं अनेक बार निलम्बित हो जाते हैं।

साक्षात्कार में पूछे जाने वाले प्रश्नों का उद्‌देश्य क्या होता है ?

1. उम्मीदवार का बौद्धिक स्तर कैसा है? अपने समाज, देश के प्रति सोचने, समझने का नजरिया सकारात्मक है या नही। स्मरण शक्ति अच्छी है या कहीं भुलक्कड़ तो नहीं है।
2. उम्मीदवार के ज्ञान का स्तर कैसा है ? ज्ञान का स्तर विषय तक ही सीमित है या बाहरी जगत के सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक घटनाओं का व्यावहारिक ज्ञान है अथवा नहीं। साथ ही साथ समसामयिक घटनाओं (Current Affairs) के प्रति जागरूकता कितनी है ?
3. उम्मीदवार के व्यक्तित्व में कितनी पारदर्शिता व सत्यता झलकती है ? जाति, धर्म, ऊँच–नीच, गरीब–अमीर, पुरूष–महिला आदि के प्रति मनोवृत्ति कैसी है ? किसी भी प्रकार का विरोधाभास तो नहीं है, इत्यादि गुणों का परीक्षण साक्षात्कार मण्डल द्वारा किया जाता है।
4. साक्षात्कार के समय उम्मीदवार में आगमन और व्यवहार (Appearance & Behavior), मानसिक दृढ़ता (Mental toughness), मानसिक सतर्कता (Mental alertness), वाक्‌चातुर्य (Speech mannerism), आत्मविश्वास (Self confidance), शारीरिक भाषा (Body language), दृष्टि सम्पर्क (Eye contact), सम्प्रेषण क्षमता (Communication skill) एवं संवाद आवृत्ति (Voice pitch) आदि कैसी है ? का आंकलन (परख) किया जाता है।
5. साक्षात्कार मण्डल द्वारा उम्मीदवार के अभिव्यक्ति कौशल, चेहरे का तेज, आंखों की चमक, लक्ष्य के प्रति कितना लालायित है, आदि की परख की जाती है।
6. उम्मीद्‌वार में आमजन के साथ मेलजोल का भाव कैसा है? सवालों के माध्यम से स्वभाव की परख की जाती है।

सवालों का जवाब देते समय क्या सावधानी रखनी है ?

1. नैराश्य भाव से भरे उम्मीदवार को साक्षात्कार मण्डल पसंद नहीं करता है। निराशा, हताशा, अवसाद, बीमार मानसिकता साक्षात्कार में नुकसानदायक व आत्मघाती होती है।
2. उम्मीदवार कितना ही मेधावी व कुशाग्र क्यों ना हो यदि वह साक्षात्कार के दौरान उत्तेजना, अथवा अड़ियलरूख का परिचय देता है तो ये सफलता में बाधक है।
3. मासूमियत, बनावटीपन, दिखावापन, अतिशयोक्तिपूर्ण वार्तालाप, शब्दों को बार–बार दोहराना आदि से बचने की कोशिश करे।
4. चेयरपर्सन व Experts द्वारा पूछे जाने वाले सवाल अभ्यर्थियों को सुनने व समझने में नहीं आते हैं तो बहुत सारे अभ्यर्थी आँख फाड़कर, गर्दन लम्बी करके, आँखे मिच–मिचाकर, कंधों को हिलाकर, हक्के–बक्के से बनकर भाव–भंगिमाएं करते हैं, इन कमजोरियों से बचना चाहिये।
5. सवालों का जवाब देते समय व्यग्रता ना रखे। प्रश्न को पूरा समझे बिना बीच में ही बोलना शुरू ना करे। इससे अधीरता–उतावलापन झलकता है, ऐसी स्थिति में कभी–कभी पूछे जाने वाले प्रश्न को समझा ही नहीं गया और जल्दीबाजी में जवाब देना आरम्भ कर दिया इससे अंक कटते हैं।
6. पूछे जाने वाले सवालों की गहराई को समझकर उचित जवाब देने का प्रयास करें।
7. किसी खास विचारधारा के प्रति लगाव ना हो, पूर्वाग्रह से ग्रसित ना हो, कुतर्क, अनर्गल प्रलाप, निराधार बाते ना करे, बोर्ड को बरगलाने से बचे।
8. समसामयिक मुद्दों में से पूछे जाने वाले सवालों पर Sorry का प्रयोग ना करे। तर्कसंगत जवाब देने की पूरी कोशिश करे। ऐसे सवालों से बचाव ठीक नहीं है।

साक्षात्कार देते समय विशेष सावधानी क्या बरतें?

1. एक–एक अंक हासिल करने के लिए एक–एक क्षण का भरपूर उपयोग करना है। सवालों को ढंग से समझकर, सतर्क रहकर जवाब दें। सवालों को समझे बिना जवाब देने पर Interview Board आपको कम अंक दे देता है।

2. अपने विचारों को बार–बार नहीं बदले। फालतू की बहसबाजी, धार्मिक विवादों व राजनीतिक चर्चाओं में नहीं उलझे। रोचकता व नवीनता पेश करने की कोशिश करें।

3. शास्त्रों में शिष्टाचार को सर्वोत्तम गुण कहा है। आपका व्यवहार आपका दर्पण है। जिसमे प्रत्येक स्वयं का प्रतिबिंब देख सकते हैं। साक्षात्कार दल उम्मीद्वार से ज्यादा से ज्यादा सवाल पूछे ऐसी स्थिति पैदा करने की कोशिश करें।

4. सवालों के जवाब देते समय अपनी चाहत को बड़े अदब के साथ, सहज भाव से पेश करें। ऐसा करने पर साक्षात्कार मण्डल उम्मीद्वार को दिल खोलकर अंक देगा।

5. बहुत सारे सवालों पर Expert-Members को तो हल्की–फुल्की हंसी आ जाती है। ऐसी स्थिति में उम्मीद्वार, प्रसन्नचित्तता बनाये रखे, दांत फाड़कर नहीं हंसे।

6. सवालों के जवाब पूर्णतया व्यावहारिक होने चाहिए। गोलमाल, कामचलाऊ नहीं हो, ना ही भावनात्मक, बिना बात का आदर्श ना दिखाएं। जैसे मुझे IAS-RAS बनकर गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी, महंगाई, जातिवाद, भ्रष्टाचार आदि मिटाकर नई दुनिया बनानी है।

इंटरव्यू एक कला है जिसे विकसित किया जा सकता है।

1. शीघ्रता से सोचकर उचित जवाब देने की कला, छद्म साक्षात्कार के अभ्यास द्वारा विकसित करे।

2. गलती होने पर शीघ्र सहजभाव से स्वीकार करते हुए साक्षात्कार को रोमांचक स्थिति में ले जाने की कला विकसित करे। एक प्रत्याशी के बोलने का लहजा ही तो दूसरे प्रत्याशी से अलग करता है।

3. परिस्थिति को देखकर जवाब लम्बा खींचा जा सकता है। यदि बोर्ड किसी सवाल का जवाब लगातार सुनना चाहता है तो बोलते रहे। बीच में नहीं रूके। बहुत सारे विद्यार्थी बोलते हुए बीच में ही रूक जाते है। और मेम्बर्स देखते रहते है। ऐसा ना करें।

4. सवाल का जवाब देते समय Point wise अँगुलियों पर गिनकर बोलने की कोशिश करे। यदि सवाल का जवाब नहीं आ रहा है तो ऐसी स्थिति में मौन नहीं रहना है। यह स्थिति अंक काटती है।

5. अवसर को भुनाते हुए इंटरव्यू को अपने पक्ष में करने की कोशिश करें। जो सवाल नहीं आ रहा है तो घुमाने की कला विकसित करे। कैसे ? सर मै इस विषय पर बहुत ज्यादा अच्छा नहीं बता पाऊँगा / पाऊँगी। यदि आप मुझे इस विषय में (अपना पसंदीदा विषय) पूछेंगे तो अच्छा बता पाऊँगा / पाऊँगी।

6. कभी–कभी बोर्ड सदस्य थकान महसूस करते है। उबाऊ से हो जाते है। ऐसी स्थिति में प्रत्याशी को रोमांचक स्थिति पैदा करने की कला विकसित करनी है। अनेक बार Board Members प्रत्याशी से ही सवाल निकलवाते हैं।

7. जवाब देते समय तात्पर्य, मेरा मतलब, मेरा यह मानना है, मै यह चाहता हूँ आदि तकिया कलाम शब्दों को उपयोग में ना लें। धन्यवाद (Thanks), शुक्रिया शब्दों का प्रयोग ध्यानपूर्वक करे।

शुरूआत में लगातार तीन–चार प्रश्नों के जवाब नहीं आने पर क्या करें ?

कभी–कभी संयोगवश बहुत सारे उम्मीद्वारों से शुरूआत में तीन–चार ऐसे प्रश्न पूछ लिये जाते है जिनके जवाब नहीं आते है तो निर्भीकता, सहजता, विनम्रता, मुस्कुराहट, आत्मविश्वास बनाये रखे। क्योंकि अभी पूरा साक्षात्कार बाकी है। तीन–चार सवालों के जवाब नहीं आने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। आगे पूछे जाने वाले सवालों के जवाब बड़ी तार्किकता से देकर साक्षात्कार को बुलंदियों पर पहुँचाया जा सकता है।

क्या साक्षात्कार दल प्रत्याशियों के प्रति तटस्थ रहता है या भेदभाव करता है ?

साक्षात्कार में पक्षपात की संभावना बिल्कुल नहीं रहती है, अनेक सदस्य जो अपने ज्ञान में परिपक्व एवं विषयों के गहरे जानकार व पारखी होते हैं, मिलकर उम्मीदवार की प्रतिभा की परख करते हैं। साक्षात्कार मण्डल कभी भी यह मंशा नहीं रखते कि एक उम्मीदवार से सरल सवाल करें और दूसरे से कठिन। उम्मीदवार को अपनी प्रतिभा व श्रेष्ठता को प्रदर्शित करने का पूरा मौका मिलता है। किसी भी उम्मीदवार के प्रति साक्षात्कार मण्डल पूर्वाग्रह से ग्रस्त नहीं होते हैं। तटस्थ भाव से ही सवाल पूछते हैं। सबके प्रति एक जैसा समान भाव रखते हैं।

साक्षात्कार में वैचारिक दृढ़ता और मानसिक सजगता क्या है ?

मानसिक सजगता से तात्पर्य है साक्षात्कार दल द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों की गहराई व भावना को शीघ्र समझ कर शीघ्र ही वांछित जवाब देना। जवाब में क्रमबद्धता, निरंतरता, लयात्मकता का होना जरूरी है जिसमें उम्मीदवार की वैचारिक दृढ़ता की पहचान होती है।

साक्षात्कार के समय कभी-कभी किसी प्रश्न पर Board Member के साथ मत-भिन्नता होने पर उम्मीदवार को क्या करना चाहिए।

यदि उम्मीदवार अपने मत पर शत–प्रतिशत विश्वास में है तो सामने वाले को अपने विचारों की दृढ़ता का आभास करवाते रहे लेकिन प्रस्तुतीकरण में विनम्रता रहे।

नोट–ध्यान रहे कभी–कभी उम्मीदवार का तर्क गलत होता है फिर भी वह अपने तर्क / मत पर अड़ा रहता है ऐसा ना करें। बड़ी शीघ्रता से स्थिति को समझकर विनम्रता से खेद प्रकट करके दिशाहीन Interview को पटरी पर ले आना चाहिए।

पूछे जाने वाला सवाल यदि अटपटा सा है, तो ऐसी स्थिति में उम्मीद्वार को क्या करना चाहिए ?

विनम्रता व प्रसन्नचित्त भाव से कहे कि क्षमा करे इस विषय में मुझे विशेष जानकारी नहीं है। कुतर्क व बहसबाजी में ना पड़े। साक्षात्कार एक कला है। अभ्यर्थी अपनी वाक्यचातुर्यता से बोर्ड को ऐसे सवाल पूछने पर बाध्य कर सकता है जिनके जवाब आसानी से दिये जा सके। और साक्षात्कार रोमांचक स्थिति में आ जाएं।

क्या साक्षात्कार मण्डल उम्मीदवार को पसन्द करता है या उसके जवाब देने के तरीके को ?

1. उम्मीद्वार की स्टाइल को पसन्द किया जाता है उम्मीद्वार को नहीं।
2. लोग कौन बनेगा करोड़पति को पसन्द नहीं करते हैं, अमिताभ बच्चन की स्टाइल को पसन्द करते हैं।
3. लोग नेता को पसन्द नहीं करते है, उनके भाषण को पसन्द करते हैं।
4. इसी प्रकार साक्षात्कार मण्डल द्वारा अभ्यर्थी द्वारा जवाब देने की स्टाइल को पसन्द किया जाता हैं।
5. ज्यादा से ज्यादा Mock Interview का अभ्यास करके स्टाइल से बोलने की कला विकसित की जा सकती है।

जब सवाल स्पष्ट सुनने व समझने में नहीं आएं तो क्या करें ?

चेयरपर्सन व Experts द्वारा पूछे जाने वाले सवाल यदि अभ्यर्थी को सुनने में व समझने में नहीं आते है तो मुस्कुराहट के साथ विनम्रता व शालीनता से पुनः सवाल पूछने के लिए निवेदन करना उम्मीदवार के हित में ही रहता है। ऐसी स्थिति में Experts पुनः प्रश्न दोहराते है। पूछे गये प्रश्न के मर्म को समझकर आराम से सोच–समझकर विवेकपूर्ण, तर्कसंगत जवाब देकर साक्षात्कार के माहौल को रोचक बनाने की पुरजोर कोशिश करनी चाहिये।

क्या साक्षात्कार में COUNTER प्रश्न ज्यादा अंक दिलाते हैं ?

कभी–कभी बोर्ड मेम्बर प्रत्याशी के हावभाव, बोलने की कला, सवालों का अच्छे से जवाब देना आदि स्थिति से खुश होकर यह तय कर लेते है कि प्रत्याशी को अच्छे अंक देने है। फिर प्रत्याशी की स्थिति को और जाँचा–परखा जाता है। कैसे ?

लगातार पूछे गये प्रश्न पर COUNTER प्रश्न करते हैं। क्यों ? क्योंकि ज्यादा अंक देने है। प्रत्याशी कितनी शिद्दत से जवाब दे रहा है। जवाब देते ही दूसरा सवाल, तीसरा सवाल, चौथा सवाल COUNTER सवाल कहलाते हैं। सवाल पर सवाल पूछने का तात्पर्य उम्मीदवार को परेशान करने का मकसद नहीं होता है बल्कि उम्मीदवार में से कुछ निकाला जा रहा है, अर्थात् योग्य उम्मीदवार ढूँढ़ने की नियत से सवाल किये जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में प्रत्याशी के चेहरे के हाव–भाव, भंगिमाए, दृढ़ता, सहनशीलता की परख की जाती है। आत्मविश्वास बढ़ाकर बालीवॉल खेल की तरह सवाल–जवाब में बने रहे। इससे ज्यादा अंक आने की संभावना बनती है।

कभी-कभी किसी मुद्‌दे पर स्वयं इंटरव्यू बोर्ड के सदस्य अपने विचार व्यक्त करते हैं जिसका उद्‌देश्य उम्मीद्‌वार के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण की जाँच करना ही होता है। Board Members अपनी राय देकर उम्मीद्‌वार की राय जानना चाहते है ऐसी स्थिति में उम्मीद्‌वार को क्या करना चाहिये ?

उम्मीद्‌वार को सोच–समझकर तर्कसंगत प्रभावशाली जवाब देना होता है न कि आँख मूंदकर हाँ में हाँ मिलाकर Board Member की बात का समर्थन करके Board Member की कृपा–पात्र बनने की आवश्यकता नहीं है। जो सत्य है, यथार्थ है उसे ही बोलना है न कि दबाव महसूस करके हाँ में हाँ मिलाना है।

साक्षात्कार में सेवारत उम्मीदवार क्या ध्यान रखे ?

IAS-RAS साक्षात्कार में लगभग 50 % उम्मीदवार पहले से ही Job में रहते हैं। ऐसे प्रतियोगियों से बहुत सारे सवाल अपने वर्तमान Job और भविष्य में मिलने वाले संभावित Job संबंधी सवाल पूछे जाते हैं।

1. सेवारत कार्य को पारदर्शी बनाकर जवाब दे।
2. भ्रम एवं संदेहात्मक स्थिति ना बनने दे।
3. अपने विभाग संबंधी सभी जानकारियां अकाट्य, व्यावहारिक, सुसंगत होनी चाहिये।
4. बिना लाग–लपेट के अपनी वर्तमान सेवा की कमी व अच्छाईयाँ बतानी चाहिए।
5. नकारात्मक पक्ष की व्याख्या न करें। नैराश्य भाव से ना बोले।
6. भविष्य के सपनों को जोश, जुनून, उत्साह से पेश करें।
7. जवाब देते समय आशावादिता के भाव रखें।
8. साक्षात्कार दल को यह साबित करने की कोशिश करें कि मैं वर्तमान जॉब की बजाय RAS में मिलने वाले पद पर ज्यादा प्रभावी ढंग से कार्य कर पाऊँगा।

मैं किसके बोर्ड में Interview दे रहा हूँ ?

साक्षात्कार देने वाले विद्यार्थी को Interview देने से पहले ही UPSC, RPSC चेयरमैन, मेम्बर्स के फोटो व स्वभाव की जानकारी रखनी चाहिए। क्योंकि उम्मीद्वार चेयरमैन व मेम्बर्स के स्वभाव को भांपकर सवालों के जवाब देने की कोशिश करेगा तो परिणाम आशावादी होंगे। इसलिए उम्मीद्वार सभी बोर्ड मेम्बर्स को पहले से ही जान ले तो ठीक है।

साक्षात्कार के समय कोई मुद्दा न्यायालय में विचाराधीन हो तो पूछे जाने वाले ऐसे प्रश्न पर ध्यान रखने योग्य बाते

उम्मीद्वार को कोर्ट की विचारधारा के विपरीत न जाकर मध्यम मार्ग अपनाकर अपने विचार व्यक्त करने चाहिये। अपने विचारों में तार्किकता व संतुलन का होना जरूरी है।

साक्षात्कार में उम्मीद्वार से वही पूछा जाता है, जो वह बताना चाहता है।

UPSC, RPSC में पदों की संख्या के आधार पर साक्षात्कार कई दिनों तक चलते है। साक्षात्कार मण्डल योग्य, अनुभवी एवं अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ होते हैं। वे अभ्यर्थी की शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक उपलब्धियों, प्रिय विषय, हॉबी, ज्वलंत एवं समसामयिक विषयों, घटनाओं इत्यादि से प्रश्न पूँछ सकते है। अर्थात् प्रारम्भिक या मुख्य परीक्षा की तरह साक्षात्कार का कोई निश्चित पाठ्यक्रम नहीं होता है।

(क) यदि अभ्यर्थी ने साक्षात्कार बोर्ड द्वारा पूछे गये प्रश्नों का समुचित और सारगर्भित उत्तर दिया तब तो ठीक है परंतु यदि अभ्यर्थी साक्षात्कार बोर्ड के प्रश्नों का जवाब दे पाने में असमर्थ है और लगातार Sorry बोल रहा है तो ऐसी स्थिति में अधिकतर यह देखा गया है कि साक्षात्कार बोर्ड अभ्यर्थी से यह पूँछ लेते है कि आप क्या तैयार करके आये हैं ? या आपका प्रिय विषय कौनसा है? इस प्रकार के प्रश्न पूँछने का उद्देश्य साक्षात्कार बोर्ड अभ्यर्थी को अपना साक्षात्कार सुधारने का अवसर देता हैं।

(ख) इसके अतिरिक्त साक्षात्कार मण्डल किसी विषय पर प्रश्न पूछ रहे हैं और अभ्यर्थी को उस विषय के बारे में जानकारी नहीं है तो अभ्यर्थी यह कह सकता है Sorry Sir मुझे इस विषय के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं है। अपने पसंदीदा दूसरे विषय के बारे में मुझे अच्छी जानकारी है और मै इस विषय में अच्छी तरह बता सकता हूँ, कहकर साक्षात्कार को अपनी तरफ मोड़ सकता है। इससे साक्षात्कार मण्डल अभ्यर्थी की वाक् चातुर्य शैली या Presence of Mind से प्रभावित होकर अभ्यर्थी के रूचि के विषय में से ही प्रश्न पूछेंगे साथ ही संबंधित विषय में संतुष्ट होने पर अभ्यर्थी को अच्छे अंक प्रदान करेंगे।

परंतु यदि अभ्यर्थी अपने रूचि के विषय में भी साक्षात्कार मण्डल के प्रश्नों का समुचित और सारगर्भित जवाब नहीं दे पाया तो साक्षात्कार मण्डल पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और अभ्यर्थी के बारे में बोर्ड गंभीरता से मूल्यांकन नहीं करेगा बल्कि कमजोर उम्मीद्वार समझकर अच्छे अंक न देकर कम अंक देगा।

साक्षात्कार के दौरान खाँसी, छींक, ऊबासी आने पर क्या करें ?

सामान्यतया ये सब स्वाभाविक क्रियाएँ है लेकिन यहाँ प्रतिस्पर्धा चल रही है जिसमें योग्य, दक्ष, कुशल उम्मीदवारों का चयन करना है। इसलिए स्वाभाविक क्रियाऐं खाँसी, छींक, ऊबासी व्यक्ति की योग्यता नहीं है। बल्कि यह अयोग्यता, लापरवाही और गैर जिम्मेदार, अदूरदर्शिता, लापरवाही, नासमझी मानी जाती है। इसलिए साक्षात्कार के समय खाँसी, छींक, ऊबासी नहीं आनी चाहिए। ऐसे विषयों को हल्के में नहीं लेना है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना है। क्यों ? क्योंकि आप सिलेक्शन चाहते है और सिलेक्शन छींकने, खाँसने से नहीं होता, सिलेक्शन तो ज्यादा से ज्यादा अंक प्राप्त करने से होता है और ज्यादा अंक स्वस्थ, योग्य उम्मीद्वार को ही मिलते है।

माफ कीजिए! अभी रिकॉल नहीं कर पा रहा/रही हूँ

सवालों के जवाब न आने पर सामान्यतः अनेक उम्मीद्वार ऐसा कह देते है कि ''सर अभी रिकॉल नहीं कर पा रहा/रही हूँ''। ऐसा एक या दो बार कहा जा सकता है। लेकिन अनेक बार बोलने से साक्षात्कार दल को लगता है कि उम्मीद्वार दबाव में है, स्मरण शक्ति कमजोर है, हतोत्साहित है, सवालों के प्रति गंभीर नहीं है।

इसलिए महत्वपूर्ण विषयों की तैयारी तर्कसंगत व तथ्यपूर्ण करने की कोशिश करें। जिससे सवालों का जवाब देते समय रोचकता बनी रहें।

ऐसे सवाल जो साक्षात्कार को बुलन्दियों पर तथा थोड़ी सी चूक हो जाने पर गर्त में ले जाते है।

1. ज्वलंतशील समस्याओं संबंधी सवाल।
2. वे प्रश्न जो संदिग्ध है। भ्रम पैदा करते हैं। जिनके अनेक तरीके से उत्तर देने होते हैं।
3. व्यंग्यात्मक सवाल जो उम्मीदवार को हतोत्साहित करते हैं, उपहास जैसा महसूस कराते हैं।
4. ऐसे प्रश्न जो उम्मीदवार को बेचैन करते हैं तथा जिनका कोई तर्कसंगत जवाब नहीं होता।
5. व्यवधान पहुँचाने वाले प्रश्न जिन्हें Counter सवाल कहते हैं ?

जैसे :–

1. राजस्थान बीमारु राज्य क्यों कहलाता है ? उसकी बीमारी कैसे दूर करोगें ?
2. भारत और चीन के बीच टकराव का मुख्य कारण क्या है ?
3. क्या अमेरिका विश्व बिरादरी का पटेल बनना चाहता है ?
4. अंग्रेज भारत नहीं आए होते तो क्या होता ?
5. गांधी, सुभाष, भगतसिंह में क्या–क्या मतभेद थे ?
6. क्या भारत पाकिस्तान पुनः एक हो सकते है ? हाँ, तो कैसे ?
7. आपको सिविल सेवा के लिए क्यों चुना जाए ?
8. आपका जीवन दर्शन क्या है ?
9. RAS बनकर सबसे पहले क्या करोगें ?
10. एक प्रशासनिक अधिकारी के गुण क्या होने चाहिए ?
11. यदि अचानक ईश्वर मिल जाये तो कौन–से 2 वरदान मांगोगे ?
12. भारत में जाति को कैसे खत्म करोगे ?
13. क्या भारत में एक जाति हो सकती है ? हां या ना ?
14. क्या भारत में एक भाषा हो सकती है ? नहीं तो क्यों नहीं ?
15. क्या भारत में एक दलीय प्रणाली विकसित की जा सकती है ?

16. मुगल भारत में नहीं आते तो क्या होता ?
17. संविधान नहीं होता तो क्या होता ?
18. भारत लंबे समय तक पराधीन रहा। क्या यहां वीरों की कमी थी ?
19. राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक में से आप क्या नहीं होना पसंद करेंगे? और क्यों ?

ऐसे सवालों के जवाब देते समय क्या सावधानी बरतनी चाहिए ?

1. समसामयिक विषयों संबंधी सवालों पर सॉरी बोलकर बचना नहीं चाहिए बल्कि अर्थपूर्ण तर्क संगत जवाब जरूरी है। Board आपसे अपेक्षा रखता है।
2. उम्मीदवार हमेशा सकारात्मक सोच से भरा हुआ रहे। और यह सोचे कि इस प्रकार के सवाल मुझ से इसलिए किये जा रहे हैं क्यों कि Board मेरा चयन करना चाहता है।
3. कठिन, अटपटा लगने वाले सवाल का उत्तर मुस्कुराहट, प्रसन्नचित्त, विनम्रता, सौम्यता, शालीनता व आत्मविश्वास के साथ देते रहे। काउण्टर सवालों पर विचलित ना हो बल्कि यह महसूस करते चले जाए कि मेरे अंक बढ़ रहे हैं।
4. उमंग, उत्साह, जोश, चेहरे का तेज, आँखों की चमक, बॉडी की भाव–भंगिमाएँ एकदम आत्मविश्वास से भरे हुए दिखते रहने चाहिए। हड़बड़ाहट ना करे।

किस प्रकार के सवालों पर ज्यादा अंक नहीं मिलते है ?

1. राजस्थान का एकीकरण कब हुआ ?
2. राजस्थान में कितने संभाग हैं ?
3. चम्बल की सहायक नदी कौन–कौनसी है ?
4. राजस्थान में कितने प्रतिशत वन है ?
5. गायों की प्रमुख नस्लों के नाम बताओं ?
6. अशोक महान किस वंश का शासक था ?
7. महाद्वीप कितने है नाम बताइये ?
8. राज्यपाल की क्या–क्या शक्तियाँ है ?
9. राष्ट्रपति शासन कब लगता है ?

अच्छा सम्प्रेषण
(Good Communication Skill)

उम्मीदवार में श्रेष्ठ सम्प्रेषण का होना आवश्यक है। अच्छा सम्प्रेषण न सिर्फ आपके व्यक्तित्व को निखारता है, बल्कि उसे आकर्षक भी बनाता है। अच्छे सम्प्रेषण से सफलता का मार्ग भी स्वतः ही प्रशस्त हो जाता है।

शब्द व्यक्तित्व में अन्तर्निहित विचारों की तस्वीर होते हैं। जैसे–

'कौन–सी बात कहाँ, कैसे कही जाती है
ये सलीका हो तो हर बात सुनी जाती है।'

(क) अच्छे सम्प्रेषण में हताशा, भय, निंदा, गुस्सा, तनाव, चिंता, दुराग्रह, आरोप–प्रत्यारोप, दोषारोपण, कुंठा, भय, आवेश, उत्तेजना, हिंसा, उदासीनता, उत्साह–हीनता का कोई स्थान नहीं होता है।

बातचीत के समय बातों का बवंडर न बन जाए। वार्तालाप के माहौल में क्रमबद्धता एवं लयात्मकता हो। अनावश्यक बातों को घुमा–फिराकर पेश ना करें। अनेक बार बातों का अर्थ अनर्थ में बदल जाता है और स्थिति बिगड़ जाती है। Interview Panel अप्रभावित होकर कम अंक देता है।

(ख) अच्छा सम्प्रेषण जादुई प्रभाव दिखाता है। संवाद में धैर्य व संयम, शालीनता, विनम्रता, सौम्यता, व्यावहारिकता, सहयोगात्मकता, सकारात्मक नजरिया, 'मैं' की जगह 'हम' शब्द का इस्तेमाल हो। सार्थकता–अर्थपूर्ण वार्तालाप, स्पष्टता, पारदर्शिता। वार्तालाप में लय–गति, तालमेल, समन्वय होना आवश्यक है जो सामने वाले के पूरी तरह समझ में आ जाए।

साक्षात्कार में उम्मीदवार अच्छे सम्प्रेषण से ही Interview Panel को प्रभावित करके श्रेष्ठ अंक प्राप्त कर सकता है।

मीठी वाणी से सामने वाले को प्रभावित किया जा सकता है। कड़वे से कड़वा सच भी अगर मीठी वाणी में सम्प्रेषित किया जाएं, तो सामने वाले को बुरा नहीं लगता है और स्वयं सुधरने की कोशिश करता है।

(Hobby)
साक्षात्कार में रूचि का महत्वपूर्ण योगदान होता है

किसी व्यक्ति वस्तु, प्रक्रिया, तथ्य, कार्य आदि को पसंद करने या उसके प्रति आकर्षित होने, उस पर ध्यान केन्द्रित करने या उससे संतुष्टि पाने की प्रवृत्ति को ही रूचि (Interest) कहते हैं।

विद्यार्थी का मुख्य कार्य तो अध्ययन है ताकि लक्षित नौकरी प्राप्त हो जाए या स्वयं का व्यवसाय शुरू हो जाए जिससे जीवन जीने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो।

लेकिन रूचि से तात्पर्य अध्ययन, व्यवसाय, नौकरी से हटकर मन और तन दोनों प्रतिदिन ऐसे कार्य को करने में रूचि ले जिसको पूरा करने में आत्मिक अनुभूति, सृजनशीलता व आनंद प्राप्त होता है। जिसको पूर्ण करने में वास्तविक दिलचस्पी बनी रहे। जिसे पूरा करने में व्यक्ति व्यस्त जीवन में से पर्याप्त समय निकालते हैं। रूचि ऐसी हो जिसमें दक्षता हो, समस्त बारीकियाँ आती है। साक्षात्कार के समय पूछे जाने वाले रूचि संबंधी प्रत्येक सवाल का जवाब बड़ी उत्सुकता, प्रसन्नचित्तता, सहजता व स्पष्टता से दिया जा सके।

रूचियाँ क्या–क्या हो सकती है

1. पुस्तकें पढ़ना,	2. संगीत सुनना,	3. खाना बनाना,
4. समसामयिक विषयों में रूचि	5. खेल देखना,	6. खेल खेलना,
7. गाना, गजल, कव्वाली गाना,	8. नृत्य करना,	9. वाद्ययंत्र बजाना,
10. टी.वी. देखना,	11. बागवानी,	12. नाटक करना,
13. योग–प्राणायाम, मेडिटेशन करना,	14. डायरी लिखना,	15. फोटोग्राफी करना,
16. पेड़ लगाना उन्हें सहेजना,	17. तैराकी	18. पशु–पक्षी पालना,
19. समाचार–पत्रों में लेख लिखना,	20. घुड़सवारी करना,	21. एडवेन्चर्स में भाग लेना,
22. वाद–विवाद में हिस्सा लेना,	23. पर्यटन स्थलों पर घूमना,	24. चित्रकारी करना।

हॉबी कैसी होनी चाहिए ?

हॉबी इस प्रकार की हो जो उम्मीदवार के व्यक्तित्व को निखारे, सकारात्मक छवि बनाएं साथ ही साथ साक्षात्कार मण्डल अधिक से अधिक प्रश्न पूछने में उत्साही हो जाए। उम्मीद्वार सभी प्रश्नों का जवाब देता रहे।

साक्षात्कार में रूचि का महत्व

1. रूचि से संबंधित सवालों में Board रूचि लेता है, इसलिए जवाब रोचक, तर्कसंगत, तथ्यपरक दिए जाए ताकि Board अच्छे अंक देने में रूचि ले।

Hobby :- जिसमें मन लगे, डूब कर कार्य करे, मजा आएं, संतुष्टि हो।

2. हॉबी से उम्मीदवार की कल्पनाशीलता, सृजनशीलता, उद्‌मशीलता, कार्यशैली की विविधता आदि की जानकारी मिलती है।
3. साक्षात्कार मण्डल रूचि संबंधी सवालों को बड़ी रोचकता से पूछते है। बारीकियाँ जानना चाहते हैं और यह भी आश्वस्त होना चाहते हैं कि उम्मीदवार की रूचि में गहराई कितनी है।
4. अभिरूचि से संबंधित पूछे जाने वाले सवालों का उम्मीदवार विस्तार से जवाब देता है तो लाभ की स्थिति में रहता है। बोर्ड सदस्य प्रभावित होकर अंक देने में भी रूचि दिखाते हैं। इसलिए रूचि की तैयारी, बहुत सूक्ष्म तथा विश्लेषणात्मक ढंग से करे।
5. रूचि से संबंधित सवालों को गंभीरता से लेना चाहिए। Expert जब रूचि से संबंधित प्रश्न पूछते हैं तो बहुत सारे अभ्यर्थी खामोश हो जाते हैं। जिससे Board Member और अभ्यर्थी दोनों पक्ष ही खिन्न हो जाते हैं।
6. बहुत सारे विद्यार्थी अपनी अभिरूचि बनावटी तैयार करते हैं। हॉबी के बारे में डींग हांकना, झूठ बोलना स्वयं उम्मीदवार के लिए घातक होता है। क्योंकि हॉबी संबंधी सवाल साक्षात्कार के अंत में ही पूछा जाता है और अंत भला तो सब भला।
7. कभी–कभी रूचि संबंधी प्रश्नों पर उम्मीदवार झूठ बोलते पकड़े जाते हैं और पूरे साक्षात्कार को खराब कर लेते हैं। इसलिए अभिरूचि ऐसी हो जो व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाए। जिसके बारे में पूछे जाने वाले सभी सवालों का उत्साहपूवर्क जोश, उमंग के साथ जवाब दिया जा सके। जवाब व्यावहारिक ज्यादा हो। जिससे अंकों की बौछार हो जाये।

साक्षात्कार में Sorry का महत्व

साक्षात्कार मण्डल में UPSC/RPSC Members के अलावा IAS, IPS, IRS शिक्षाविद्, ख्याति प्राप्त विषय–विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक सम्मिलित होते हैं, जो अनेक विषयों के विशेषज्ञ होते है। साथ ही साथ इन्हें विषयी ज्ञान के अतिरिक्त प्रशासनिक अनुभव व तजुर्बा होता है। साक्षात्कार में पूछे जाने वाले सवाल उम्मीदवार के इर्द–गिर्द ही घूमते हैं। इसलिए तैयारी उस मानक और उच्चतम स्तर की करनी चाहिए जिससे उम्मीद्वार को सामान्य सवालों पर Sorry नहीं बोलना पड़े। साक्षात्कार मण्डल आपसे Sorry सुनने के लिए नहीं बैठा है। आपका Selection करने के लिए बैठा है।

सामान्य सवालों पर उम्मीदवार Sorry बोलकर साक्षात्कार की गति को अवरूद्ध कर पूछे जाने वाले सवालों से छुटकारा पा रहा है। जबकि उम्मीदवार को ऐसी स्थिति में अपनी वाक्चातुर्यता से सवाल की दिशा बदलना आना जरूरी है। जिससे आगे पूछे जाने वाले सवालों की गति अवरूद्ध ना होकर अनवरत कड़ी से कड़ी जुड़ती चली जाए और साक्षात्कार बोर्ड आनंदित महसूस करते हुए सवाल पर सवाल करता चला जाए।

Sorry बोलते समय क्या-क्या सावधानी बरतनी चाहिए।

Sorry में विनम्रता का भाव अपेक्षित है। Sorry बोलते समय विनम्रता, शालीनता, मिठास, प्रसन्नचित्तता होने के भाव होने चाहिए। लेकिन कितनी बार Sorry कह सकते हैं ? इसकी भी अपनी सीमाएं हैं। हाँ यह जरूर है कि कभी कभार ऐसी स्थिति बन जाती है कि लगातार 3, 4 बार Sorry बोलनी पड़ जाती है तो उम्मीदवार को Sorry बोलते समय चेहरे पर अपराध बोध नहीं झलकना चाहिए ना ही हतोत्साहित होना चाहिए। आत्मविश्वास, मुस्कुराहट, चेहरे का तेज, आँखों की चमक व उत्साहित रहकर Next सवालों के जवाब इतने गरिमापूर्ण तरीके से तर्कसंगत और प्रंसगानुसार दे कि Board आपकी Sorry को भूलकर अधिक रोचकपूर्ण सवाल करता चला जाए और आप लगातार उत्साहित होकर जवाब देकर अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने में सफल हो जाए।

Sorry किस स्थिति में बोलना उचित नहीं

साक्षात्कार में सामान्य मान्यता है कि जब किसी सवाल का सही जवाब ज्ञात न हो तो Sorry बोलना उचित है। लेकिन उम्मीदवार को ऐसे सवाल पर ही Sorry बोलना ठीक है जहाँ पूरा साक्षात्कार दल यह महसूस करें कि यहाँ Sorry के अतिरिक्त कोई रास्ता नहीं बचा है।

जैसे–

इतिहास विषय के विद्यार्थी से यह पूछा जाए कि 'हिटलर कौन था उसकी आत्मकथा का नाम क्या है' ऐसी स्थिति में उम्मीदवार Sorry बोलकर जवाब से बचना चाहता है तो Interview Board उम्मीदवार के प्रति सहानुभूति नहीं रखेगा और माफ भी नहीं करेगा।

राजनीति विज्ञान के विद्यार्थी से संविधान की प्रस्तावना के बारे में पूछने पर यदि विद्यार्थी Sorry बोलता है तो Experts विद्यार्थी के प्रति उदासीनता रखते हुए साक्षात्कार को बढ़ाने में रूचि नहीं लेंगे।

तत्कालीन संवेदनशील मुद्दों पर प्रश्न पूछकर बोर्ड के सदस्य उम्मीदवार की मनोवैज्ञानिक व निर्णायक क्षमता को परखते हैं। यहां Sorry बोलना उचित नहीं है। क्योंकि पूरे विश्व के लोगों की जिस मुद्दे पर नजर होती है ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर उम्मीद्वार Sorry नहीं बोल सकता है।

Sorry किस स्थिति में बोलना उचित है ?

हिटलर का जन्म कब हुआ?

हिटलर के माता–पिता का नाम क्या था ?

कब कौन सा युद्ध लड़ा गया?

किसी पुस्तक के लेखक का नाम?

तिथियां, तथ्य, स्थान, लम्बाई, चौड़ाई, ऊँचाई आदि पर Sorry बोलने से Interview में उम्मीद्वार को कोई नुकसान नहीं होता है। तथ्यात्मक प्रश्नों की जानकारी न होने पर बोर्ड मेम्बर इसे अन्यथा नहीं लेते है।

साक्षात्कार में आत्मविश्वास की भूमिका

जीवन के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्पष्ट लक्ष्य, निर्णय की बौद्धिक क्षमता, दृढ़ संकल्पशक्ति, सकारात्मक सोच, कठिन से कठिन मेहनत करने का जज्बा, धैर्य व संयम के साथ स्पष्टवादिता, पारदर्शिता, कठोर व लचीला स्वभाव, शिष्टाचार, सौम्यता–तार्किकता, विनम्रता, उदारता, सहजता, सादगी, व्यवहार कुशलता, प्रभावशाली वक्ता, नेतृत्वकर्त्ता, सतर्कता, संवेदनशीलता के साथ जीवंतता ही आत्मविश्वास है।

आत्मविश्वास → धैर्य व संयम से अपनी दृढ़ संकल्प शक्ति के बल पर कठिन से कठिन मेहनत करते हुए लक्ष्य के प्रति सकारात्मक बौद्धिक विचारधारा का नाम ही आत्मविश्वास है।

साक्षात्कार में अभ्यर्थी का आत्मविश्वास क्यों डगमगा जाता है ?

अपनी तैयारी को शत–प्रतिशत समय नहीं देने से आत्मबल कमजोर पड़ता है। बहुत सारे अभ्यर्थी Mains Exam के तत्काल बाद अध्ययन छोड़ देते हैं और Mains Exam Clear होने के बाद अपनी कार्यशैली (नौकरी या व्यवसाय) में तत्काल परिवर्तन नहीं करते हैं अर्थात् अवकाश लेकर तैयारी में नहीं जुटते हैं और Interview Date नजदीक आती है तो फिर उनका मनोबल गिर जाता है। क्यों ? क्योंकि उनको लगता है मैने कुछ तैयारी नहीं की है और अपना आत्मविश्वास कमजोर कर लेते हैं। उन्हें डर सताता है कि मुझसे साक्षात्कार में क्या क्या सवाल पूछे जाएँगे। ऐसी स्थिति में आत्मविश्वास डगमगा जाने से बहुत सारे अभ्यर्थी आते हुए सवाल को ही गलत कर देते है। इसलिए अपनी तैयारी के लिए समय–प्रबंधन इतनी शिद्दत से करें कि आत्मविश्वास इतना बढ़ जाये की न आने वाले सवाल भी स्वतः ही आने लग जाएं।

आत्मविश्वास के लिए अभ्यर्थी को क्या करना चाहिये ?

Mains Exam का परिणाम आते ही विशेष रणनीति के साथ तैयारी में जुट जाना चाहिये। अपने व्यक्तित्व को प्रभावी बनाने के लिए शारीरिक गठन योग, प्राणायाम, मेडिटेशन, समय–प्रबंधन, अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि, अच्छे दोस्तों के साथ संवाद करते हुए लगातार मॉक इंटरव्यू देते रहना चाहिए।

कॉलेज, विश्वविद्यालय के विषयों का अध्ययन करते हुए Mains Exam के सभी विषयो का ज्ञान अर्जित करके अधिक से अधिक मॉक इन्टरव्यू देकर अपना आत्मविश्वास बढ़ाते हुए लक्ष्य के प्रति सकारात्मक दृढ़ रवैया बन जाता है और अभ्यर्थी जब अपने विषयों के ज्ञान के साथ–साथ व्यक्तित्व को प्रभावशाली बना लेता है तो साक्षात्कार देने के लिए लालायित हो उठता है और साक्षात्कार कक्ष में Board members के सभी सवालों का आत्मविश्वास के साथ जवाब देकर सर्वाधिक अंक अर्जित करके Top Rank प्राप्त कर लेता है।

विजेताओं का सबसे महत्वपूर्ण आभूषण – आत्मविश्वास ही है।